औद्योगिक उत्पादन की तेज रफ्तार : अगस्त में कोर सेक्टर ने लगाई 6.3% की बंपर छलांग, पहुंचा 13 महीने के हाई पर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

मोदी राज में हो रही नौकरियों की बरसात, EPFO ने जुलाई में जुड़े 21.04 लाख से ज्यादा सदस्य

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 268 | रायपुर | गुरूवार 25 सितंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

SC-ST जैसा EBC कानून, निकायों में 30% आरक्षण; महागठबंधन का पहला संकल्प पत्र जारी

पटना एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले महागठबंधन ने बुधवार को पटना में अपना पहला चुनावी घोषणा-पत्र जारी किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने संयुक्त रूप से ÷अति पिछड़ा न्याय संकल्प÷ नाम से इस मैनिफेस्टो का ऐलान किया। इसमें अति पिछड़ा वर्ग (EBC) और वंचित तबकों के लिए कई अहम वादे किए गए हैं।

राहुल गांधी का सरकार पर हमला लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश में अति पिछड़ा, आदिवासी, ओबीसी और दलित वर्ग को उनकी आबादी के अनुपात में अधिकार और भागीदारी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ÷20 साल से सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने ये वादे क्यों पूरे नहीं किए, जिन्हें आज हम अपना विजन बना रहे हैं।

इटली की पीएम ने भारत पर फिर जताया भरोसा, कहा-

भारत रुकवा सकता है दुनियाभर में जारी युद्ध

नई दिल्ली एजेंसी

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने एक बार फिर भारत पर अपने भरोसे का दुनिया के सामने रखा है। उन्होंने कहा है कि भारत दुनियाभर में चल रहे जंग को खत्म करने में भूमिका निभा सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर मेलोनी ने भारत की वैश्विक भूमिका की जमकर सराहना की है। मेलोनी ने कहा, मेरा मानना है कि भारत बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी कूटनीतिक ताकत और शांति स्थापना के प्रयासों के लिए जाना जा रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मेलोनी के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा किए। इस दौरान यूक्रेन में चल रहे संघर्ष के जल्द और शांतिपूर्ण समाधान पर सहमति जताई गई। पीएम मोदी ने भारत की ओर से इस दिशा में पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

द्विपक्षीय संबंधों में नई गति

भारत और इटली के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर दोनों नेताओं ने जोर दिया। निवेश, रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, लोगों के बीच संपर्क और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जैसे क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की गई। दोनों ने 2025-29 के लिए संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना के तहत साझेदारी को गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मेलोनी ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए इटली के मजबूत समर्थन की बात कही। साथ ही, 2026 में भारत में होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता के लिए भी शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा पहल के तहत कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई।

मेलोनी ने 17 सितंबर को पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए उनकी नेतृत्व क्षमता की तारीफ की थी। उन्होंने एक्स पर लिखा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 75वें जन्मदिन की बधाई। उनकी ताकत, दृढ़ संकल्प और लाखों लोगों का नेतृत्व करने की क्षमता प्रेरणादायक है। मेलोनी ने भारत और इटली के बीच संबंधों को और मजबूत करने की इच्छा भी व्यक्त की। भारत और यूरोपीय संघ एक व्यापक और संतुलित मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं, जो दोनों पक्षों के व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद होगा।

इटली की पीएम भारत को लेकर भरोसा पूर्व में भी जता चुकी हैं। यह पहली बार नहीं है कि जब इटालियन पीएम मेलोनी ने भारत की तारीफ की है। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भी उन्होंने एक खास टवीट के माध्यम से बधाई दी थी । इसके पूर्व भारत के कल्चर से प्रभावित होते हुए उन्होंने अमेरिका में अपने दौरे के दौराना ट्रंप की पत्नी से मुलाकात के वक्त भी हाथ जोड़ते हुए नमस्कार किया था जिसकी चर्चा सोशल मीडिया में खूब हुई थी। यह भारत की पहुंच और क्षमता का भी एक नमूना है कि आज पूरा विश्व भारत देश की ओर आशा से देख रहा है शांतिदूत बनने का काम भारत कर रहा है। दुनिया में शांति कायम करने में प्रधानमंत्री मोदी भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के आतंकियों की मदद करने वाला गिरफ्तार

अनंतनाग : एजेंसी

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा (टीआरएफ) के एक प्रमुख सदस्य मोहम्मद यूसुफ कटारिया को गिरफ्तार किया है। उस पर 26 लोगों की हत्या में शामिल आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान करने का आरोप है।

पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन महादेव के दौरान बरामद हथियारों और अन्य सामग्रियों के विस्तृत विश्लेषण के बाद यह गिरफ्तारी की गई, जिससे आतंकवादियों की आवाजाही में मदद और सुविधा प्रदान करने में कटारिया की भूमिका की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने इस घटनाक्रम को दक्षिण कश्मीर में आतंकी तंत्र के खिलाफ एक बड़ी सफलता बताया।

कटारिया के सहयोगियों की पहचान करने और लश्कर-ए-तैयबा (टीआरएफ) से जुड़े व्यापक नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए आगे की जाँच जारी है। पुलिस ने आतंकी मॉड्यूल को कमजोर करने और जम्मू-कश्मीर में शांति सुनिश्चित करने के लिए अभियान तेज करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

गिरफ्तार व्यक्ति का विवरण :

नाम : मोहम्मद यूसुफ कटारिया
उम्र : 26 वर्ष पेशा : मौसमी शिक्षक
निवास : कुलगाम, दक्षिण कश्मीर
संबद्धता : लश्कर/टीआरएफ
ऑपरेशन महादेव से बरामद उपकरणों और हथियारों का विश्लेषण करने के बाद गिरफ्तारी, न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

लद्दाख में बवाल- प्रदर्शनकारियों ने भाजपा ऑफिस में लगाई आग, लेह में सड़कों पर उतरे हजारों छात्र

एजेंसी लेह. लद्दाख :

लेह-लद्दाख की शांत वादियों में आज 24 सितम्बर बुधवार को माहौल गरमा गया. यहां हज़ारों की संख्या में छात्र और स्थानीय लोग अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतर आए, जिसके बाद उनकी पुलिस से झड़प हो गई. इस दौरान जमकर हंगामा हुआ, पत्थरबाज़ी हुई और गाडियों में आग भी लगा दी गई. दरअसल ये कहानी शुरू होती है मशहूर शिक्षाविद और पर्यावरणविद सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल से. सोनम वांगचुक लेह-लद्दाख के लोगों के अधिकारों के लिए लंबे समय से आवाज़ उठा रहे हैं और इसी सिलसिले में वे भूख हड़ताल पर बैठे हैं. उनके समर्थन में ही बुधवार को एक बड़ी रैली निकाली गई, जिसमें ज़्यादातर छात्र शामिल थे. जब ये रैली आगे बढ़ रही थी, तो प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव हो गया. प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके और आरोप है कि उन्होंने सीआरपीएफ की एक गाड़ी समेत कई गाडियों में आग लगा दी. भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस को भी लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोडने पड़े. विरोध प्रदर्शन के दौरान लेह में भाजपा कार्यालय में आग लगा दी गई।

अब कोई फर्जी तरीके से नहीं हटा पाएगा वोटर लिस्ट से आपका नाम

चुनाव आयोग ने लांच की ई-साईन सुविधा

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट में होने वाले फर्जीवाड़े को रोकने के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब वोटर लिस्ट में ऑनलाइन नया नाम जोड़ने, नाम हटाने या किसी भी तरह का सुधार करने के लिए आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर आए OTP से वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। आयोग ने इस नई सुरक्षा प्रणाली को अपने ECINet पोर्टल और ऐप पर 'e-sign' फीचर के जरिए लागू कर दिया है। यह फैसला हाल ही में कर्नाटक की आलंद विधानसभा सीट पर हजारों वोटरों के नाम अवैध तरीके से हटाने की कोशिश के बाद लिया गया है।

दरअसल, कुछ दिन पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 18 सितंबर को कर्नाटक की आलंद विधानसभा सीट का मुद्दा उठाया था, जहां हजारों फर्जी वोटर डिलीशन आवेदन का मामला सामने आया था। जांच में यह पाया गया कि नाम हटाने के लिए भेजी गईं 6,018 रिक्वेस्ट में से केवल 24 ही सही थीं, बाकी सभी गलत पाई गईं। कई मामलों में OTP वेरिफिकेशन के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर असली वोटरों के थे ही नहीं। इसी घटना ने चुनाव आयोग को पूरी वेरिफिकेशन प्रक्रिया को और सख्त बनाने पर मजबूर कर दिया।

पहले कोई भी व्यक्ति सिर्फ वोटर ID (EPIC) नंबर के आधार पर अपना मोबाइल नंबर लिंक करके फॉर्म जमा कर सकता था, जिससे फर्जीवाड़े की आशंका बनी रहती थी। अब नई 'e-sign' प्रक्रिया के तहत आवेदक को अपना आधार नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक OTP आएगा। इस OTP को डालने और सहमति देने के बाद ही फॉर्म जमा किया जा सकेगा। यह नया नियम फॉर्म 6 (नया रजिस्ट्रेशन), फॉर्म 7 (नाम हटाना/आपत्ति) और फॉर्म 8 (सुधार) पर तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। चुनाव आयोग ने यह भी साफ किया है कि ऑनलाइन आवेदन के आधार पर किसी भी वोटर का नाम सीधे नहीं काटा जाएगा। हर आवेदन के बाद संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ERO) द्वारा फिजिकल वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पहले की तरह ही अनिवार्य रहेगी।

गरबा में एंट्री की विहिप ने बनाई गाइड लाइन, तिलक और गौमूत्र लगाने पर ही मिलेगा प्रवेश

एजेंसी। नई दिल्ली.

विश्व हिंदू परिषद की ओर से नवरात्रि के अवसर पर आयोजित की जाने वाले गरबा कार्यक्रम में प्रवेश को लेकर सख्त नियम बनाए गए हैं. विहिप द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक किसी भी गैर हिंदू के प्रवेश पर रोक रहेगा. साथ ही आधार कार्ड के बिना एंट्री नहीं मिलेगी और माथे पर तिलक और गौमूत्र लगाना अनिवार्य बताया गया है. संगठन की ओर से इस फैसले के पीछे तर्क देते हुए कहा गया कि यह उपाय लव जिहाद को रोकने के मकसद से किया जा रहा है. विहिप का मानना है कि इसका इस्तेमाल कुछ दक्षिणपंथी समूह हिंदू महिलाओं के धर्म परिवर्तन के प्रयासों का आरोप लगाने के लिए करते हैं।

प्रधानमंत्री को मिले 1300 उपहारों की हो रही ऑनलाइन नीलामी, पीएम मोदी ने की लोगों से भाग लेने की अपील

एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश-विदेश में मिले 1300 से अधिक उपहारों की ऑनलाइन नीलामी की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से इन उपहारों की ऑनलाइन नीलामी में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा है कि पिछले कुछ दिनों से, मेरे विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान मुझे मिले विभिन्न उपहारों की ऑनलाइन नीलामी चल रही है। इस नीलामी में भारत की संस्कृति और रचनात्मकता को दर्शाने वाली बेहद रोचक कृतियां शामिल हैं। नीलामी से प्राप्त राशि नमामि गंगे के लिए जाएगी। नीलामी में अवश्य भाग लें।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले उपहारों की नीलामी उनके जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर, 2025 को शुरू हुई है। यह ई-नीलामी 02 अक्टूबर, 2025 तक https//pmmementos.gov.in पर जारी रहेगी। प्रधानमंत्री के स्मृति चिन्हों की इस ई-नीलामी के 7वें संस्करण में पेंटिंग, कलाकृतियां, मूर्तियां, देवी-देवताओं की प्रतिमाएं और कुछ खेल संबंधी सामान शामिल हैं।

पहली नीलामी जनवरी 2019 में हुई थी। तब से अब तक प्रधानमंत्री मोदी को भेंट किए गए हजारों अद्वितीय उपहारों की नीलामी की जा चुकी है। इनसे नमामि गंगे परियोजना के लिए 50 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई गई है।

विदेश | रूस से जंग के बीच

भारत हमारे पक्ष में, ऊर्जा पर मतभेद सुलझाए जा सकते हैं' : यूक्रेनी राष्ट्रपति का बयान

जिनेवा , एजेंसी

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत ज्यादातर हमारे पक्ष में है और ऊर्जा से जुड़े कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं, जिन्हें बातचीत के जरिए सुलझाया जा सकता है।

जेलेंस्की ने कहा कि भारत एक वैश्विक शक्ति है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने यूरोपीय देशों से अपील की कि वे भारत के साथ अपने संबंध और अधिक मजबूत करें। इससे पहले भी जेलेंस्की ने चीन को लेकर कहा था कि अगर वह सच में युद्ध समाप्त करना चाहता है तो उसे रूस पर दबाव बनाना चाहिए।

हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध के मौजूदा हालात पर चर्चा की। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए लिखा था कि उन्होंने पीएम मोदी को वाशिंगटन में हुई बैठक के बारे में बताया, जिसमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कई यूरोपीय नेताओं ने हिस्सा लिया।

जेलेंस्की ने लिखा, यह एक महत्वपूर्ण चर्चा थी, जिसमें यह साझा समझ सामने आई कि कैसे वास्तविक और टिकाऊ शांति हासिल की जाए। मॉस्को ने नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं और हमारे कई नागरिक मारे गए हैं। मैं प्रधानमंत्री मोदी को पीड़ितों के प्रति संवेदना जताने के लिए धन्यवाद देता हूं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पिछले सप्ताह कहा था कि रूस ने अब तक यूक्रेन के भीतर 3,500 से अधिक ड्रोन, 2,500 शक्तिशाली ग्लाइड बम और लगभग 200 मिसाइलें दागी हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि यूरोपीय देशों को मिलकर अपने आसमान की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली पर काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा, इस तरह की रक्षा प्रणाली के लिए तकनीकें उपलब्ध हैं, बस निवेश और इच्छाशक्ति की जरूरत है। हमें अपने सभी साझेदारों से ठोस फैसलों और मजबूत कार्रवाई की उम्मीद है।

जेलेंस्की ने एक बार फिर चीन को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर चीन चाहता है कि यह युद्ध खत्म हो, तो उसे रूस पर दबाव बनाना चाहिए। यूक्रेन लंबे समय से यह मांग करता रहा है कि वैश्विक ताकतें रूस को कूटनीतिक और आर्थिक रूप से अलग-थलग करें, ताकि युद्ध पर विराम लग सके।

UN सुधार पर बोले विदेश मंत्री जयशंकर, कहा- ग्लोबल साउथ को आना होगा साथ

एजेंसी (न्यूयॉर्क) :

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान 'ग्लोबल साउथ' के देशों से मिलकर काम करने और संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं में सुधार की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों को अपनी आवाज़ बुलंद करनी होगी ताकि वे वैश्विक फैसलों में बराबरी से भाग ले सकें। जयशंकर ने यह बात 'ग्लोबल साउथ' के समान विचारधारा वाले देशों की एक उच्च-स्तरीय बैठक में कही, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के इतर आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया कई गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, जिनका सबसे ज्यादा असर विकासशील देशों पर पड़ा है।

आर्थिक निर्भरता घटाने और सहयोग बढ़ाने की ज़रूरत जयशंकर ने ज़ोर देकर कहा कि अब समय आ गया है जब विकासशील देशों को अपनी आर्थिक रणनीति बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी एक देश या बाजार पर निर्भर रहने के बजाय, अब लचीली और छोटी आपूर्ति श्रृंखलाएं बनानी होंगी।उन्होंने कहा हमें उत्पादन के लोकतंत्रीकरण की दिशा में काम करना होगा। इसका मतलब है कि उत्पादन और व्यापार कुछ चुनिंदा देशों तक सीमित न रहे, बल्कि सभी देशों को इसका लाभ मिले। जयशंकर ने यह भी कहा कि दक्षिण-दक्षिण व्यापार यानी विकासशील देशों के बीच आपसी व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना चाहिए। इसके अलावा, तकनीकी सहयोग, खासकर डिजिटल अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में भी मिलकर काम करना होगा।

भारत उठाता रहा ग्लोबल साउथ की आवाज़ विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत लगातार ग्लोबल साउथ की आवाज़ को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है और आगे भी ऐसा करता रहेगा। उन्होंने बताया कि भारत चाहता है कि सभी विकासशील देशों को वैश्विक फैसलों में हिस्सा लेने का बराबरी का मौका मिले। उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल साउथ को जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई),शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और लघु उद्योगों के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा करने चाहिए, ताकि दूसरे देशों को भी फायदा मिल सके। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि केवल ग्लोबल नॉर्थ यानी विकसित देशों के नजरिए से दुनिया नहीं चल सकती। ग्लोबल साउथ को भी अपनी बात मजबूती से रखनी होगी और अपने हितों की रक्षा करनी होगी।

ग्लोबल साउथ को मिलकर बनाना होगा मजबूत मोर्चा

मंत्री जयशंकर ने कहा कि दुनिया भर के विकासशील देश, जिन्हें 'ग्लोबल साउथ' कहा जाता है, आज कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इनमें महामारी के बाद की परेशानियाँ, यूक्रेन और गाजा में चल रहे युद्ध, जलवायु परिवर्तन की मार, महंगाई, व्यापार में अस्थिरता और विकास के लक्ष्य पूरे न हो पाना शामिल हैं। उन्होंने कहा, फइन परिस्थितियों में ग्लोबल साउथ को एकजुट होकर मिलकर काम करना होगा। हमें एक साझा सोच और रणनीति बनानी होगी, ताकि हमारी आवाज़ वैश्विक स्तर पर सुनी जा सके। जयशंकर ने यह भी कहा कि बहुपक्षवाद यानी सभी देशों को मिलाकर चलने वाली व्यवस्था आज खतरे में है। कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं जैसे संयुक्त राष्ट्र अब उतनी प्रभावशाली नहीं रह गई हैं और संसाधनों की कमी से जूझ रही हैं। ऐसे में 'ग्लोबल साउथ' को चाहिए कि वह मिलकर इन संस्थाओं में सुधार की मांग करे।

भारत ने खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ कसी सख्ती, एनआईए ने दर्ज किया नया मामला

नई दिल्ली एजेंसी

खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) और आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ भारत ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ नया मामला दर्ज किया है। एनआईए ने यह कार्रवाई गुरपतवंत सिंह पन्नू की उस टिप्पणी को लेकर की, जिसमें खालिस्तानी आतंकी ने प्रधानमंत्री को लाल किले पर तिरंगा फहराने से रोकने वाले को 11 करोड़ रुपए का इनाम देने का ऐलान किया था। यह बयान पन्नू ने 10 अगस्त को पाकिस्तान के लाहौर प्रेस क्लब में आयोजित 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम के दौरान वाशिंगटन से वीडियो लिंक के माध्यम से दिया था। इसी दौरान आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक विवादित का नक्शा जारी किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को शामिल किया गया।

भारत के खिलाफ सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने 'शहीद जत्था' नाम से एक ग्रुप भी बनाया।

एनआईए ने इस मामले में बीएनएस 2023 की धारा 61(2) और यूएपीए की धारा 10 व 13 के तहत केस दर्ज किया है। अब एजेंसी इस साजिश में शामिल अन्य लोगों और इस नेटवर्क के विस्तार की जांच करेगी।

लोकशक्ति www.lokshakti.in

जन-जन की आस्था को मिला सहारा : नवरात्र में श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क बस सेवा

माँ बम्लेश्वरी के दरबार तक पहुँच श्रद्धालुओं के लिए अब और सुगम : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने चार बसों को दिखाई हरी झंडी:दो सौ श्रद्धालु मां बम्लेश्वरी दर्शन के लिए हुए रवाना

कालीमाता सेवा समिति द्वारा निःशुल्क बस सेवा पूरे नवरात्रि में नौ दिन तक चलेगी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर शहर के आकाशवाणी चौक स्थित माँ काली मंदिर से डोंगरगढ़ तक निःशुल्क बस सेवा का शुभारंभ किया। रायपुर से माँ बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ जाने वाले श्रद्धालुओं को इस बस सेवा का निःशुल्क लाभ मिलेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कालीमाता सेवा समिति की इस पहल की सराहना करते हुए समिति के पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने माँ काली और माँ बम्लेश्वरी से छत्तीसगढ़ में खुशहाली, समृद्धि और शांति की कामना की। साथ ही सभी प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ भी प्रेषित कीं।माँ काली सेवा समिति द्वारा संचालित यह निःशुल्क बस सेवा पूरे नवरात्र पर्व के दौरान नौ दिनों तक लगातार चलेगी। इस सेवा के तहत प्रतिदिन चार बसें रायपुर से श्रद्धालुओं को डोंगरगढ़ तक ले जाएँगी और उन्हें दर्शन के उपरांत वापस रायपुर लाएँगी। मुख्यमंत्री ने आज चार बसों में लगभग दो सौ महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के प्रथम जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

बसों को हरी झंडी दिखाते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कालीमाता सेवा समिति पिछले दस वर्षों से निस्वार्थ सेवा भाव से प्रत्येक नवरात्र में प्रतिदिन चार बसों से श्रद्धालुओं को माँ बम्लेश्वरी के दर्शन हेतु ले जाती है। यह न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण भी है। उन्होंने कहा कि नवरात्र के अवसर पर देवी मंदिरों में दर्शन की लालसा हर सनातनी के मन में होती है। माँ के दर्शन की कल्पना मात्र से ही मन में दिव्य ऊर्जा का संचार होता है। लेकिन कई बार परिस्थितिवश हर कोई दूर स्थित देवी स्थलों तक नहीं पहुँच पाता। ऐसे में यह बस सेवा श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। माँ बम्लेश्वरी के दरबार तक पहुँच श्रद्धालुओं के लिए अब और सुगम हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बस सेवा से समिति ने माँ बम्लेश्वरी के दर्शन का मार्ग प्रशस्त करने के साथ ही सेवा, समर्पण और समावेशिता का प्रेरक संदेश भी दिया है।मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में राजिम से रायपुर तक मेमू ट्रेन का भी शुभारंभ किया गया है। इससे छत्तीसगढ़ की कुंभनगरी राजिम के श्रद्धालुओं को माँ बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए और अधिक सुविधा होगी। उन्होंने इस पहल के लिए कालीमाता सेवा समिति से जुड़े श्री श्रीचंद सुंदरानी, श्री दीपक भारद्वाज और सभी पदाधिकारियों को साधुवाद दिया।इस अवसर पर गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति से एक बस कवर्धा से डोंगरगढ़ तक चलाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्रामीणों की पूरी की वर्षों पुरानी मांग

दुलदुला क्षेत्र में दो सड़कों के निर्माण के लिए मिली मंजूरी

0 9 करोड़ 42 लाख की लागत से तैयार होंगी सड़कें, अब सुदूर गांवों तक पहुंचेगी विकास की रफ्तार

जशपुरनगर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिले के सुदूर अंचलों में सड़क सुविधा विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।अब जिले के दुलदुला क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण सड़क मार्गों के निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिल गई है, निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात जल्द ही इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दी जाएगी। इन सड़कों के निर्माण से न सिर्फ ग्रामीण अंचलों का संपर्क बेहतर होगा, बल्कि लोगों को आवागमन में भी बड़ी राहत मिलेगी। मिली जानकारी के मुताबिक जिले के विपतपुर बासनताला, कोदोपानी, झरगांव पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 7 करोड़ 5 लाख रुपए की मंजूरी मिली है। इसके अलावा दूसरा कार्य रायडीह,डैम्बूलोगरा, बरटोली पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 2 करोड़ 37 लाख रुपए की मंजूरी मिली है।

क्षेत्र वासियों की बहुप्रतीक्षित मांग हुई पूरी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जताया आभार

ग्रामीणजन लंबे समय से इन सड़कों की मांग कर रहे थे।सड़क निर्माण की मंजूरी मिलने से लोगों में खुशी का माहौल है। क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए कहा कि इन मार्गों के निर्माण से शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यवसायिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। साथ ही बेहतर आवागमन की सुविधाएं मिलेगी।

करंट से दो मासूमों की मौत पर हाईकोर्ट सख्त, राज्य सरकार को ठोस नीति बनाने के निर्देश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में करंट लगने से दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत के मामले ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। एक मामला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के करगीकला गांव का है, जहां खेत के पास खेलते समय 6 साल के बच्चे की करंट से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना कोंडागांव जिले की है, जहां ढाई साल की बच्ची महेश्वरी यादव की आंगनबाड़ी में करंट लगने से जान चली गई।

इन घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने शनिवार को अवकाश के दिन स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि केवल बिजली विभाग के कर्मचारियों को निलंबित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस नीति और कार्ययोजना बनाना अनिवार्य है। राज्य शासन ने कोर्ट को जानकारी दी कि मृतक बच्चों के परिवारों को आर्थिक सहायता के रूप में मुआवजा प्रदान किया गया है। एक परिवार को 4 लाख रुपये, जबकि दूसरे को 1 लाख रुपये की राशि दी गई है। कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव अमिताभ जैन को नोटिस जारी कर भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए सख्त और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि खेतों में अवैध रूप से बिजली प्रवाहित बाड़ लगाने की घटनाएं न केवल मानव जीवन के लिए, बल्कि पशु और वन्यजीवों के लिए भी जानलेवा साबित हो रही हैं। विशेषकर बरसात के मौसम में जब खेतों और रास्तों में पानी भर जाता है, तब यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हाईकोर्ट ने सरकार से अपेक्षा जताई है कि इन घटनाओं पर जल्द से जल्द लगाम लगाने के लिए मजबूत नीतिगत पहल की जाए और संबंधित विभागों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके।

बस्तर दशहरा रथ निर्माण स्थल पर युवक की अनुशासनहीन हरकत, कारीगरों ने की जमकर पिटाई

जगदलपुर । बस्तर की आस्था और परंपरा का प्रतीक माने जाने वाले दशहरा रथ निर्माण स्थल पर उस समय हड़कंप मच गया जब एक नशे में धुत युवक सिरहासार भवन में घुस आया और वहां बिरियानी खाने लगा। युवक की इस अनुशासनहीन हरकत से रथ निर्माण में जुटे कारीगरों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने युवक को पकड़कर रस्सी से बांधा और जमकर पिटाई कर दी।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि युवक की पहचान गंगा नामक व्यक्ति के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर कोतवाली थाने ले गई।

गौरतलब है कि बस्तर दशहरा न केवल एक पर्व है, बल्कि यह बस्तर की संस्कृति, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। रथ निर्माण स्थल को बेहद पवित्र माना जाता है, और वहां किसी भी तरह की अनुशासनहीनता या अपवित्र आचरण को समाज स्वीकार नहीं करता।

कारीगरों का कहना है कि शराब के नशे में इस तरह का अपमानजनक व्यवहार परंपरा और संस्कृति के खिलाफ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रथ निर्माण स्थल को बेहद पवित्र माना जाता है, और वहां किसी भी तरह की अनुशासनहीनता या अपवित्र आचरण को समाज स्वीकार नहीं करता।

बीमारी से हार मान चुके थे परिजन, उम्मीद बना एसीआई, 60 वर्षीय मरीज को मिला नया जीवन

कार्डियोलॉजी विभाग ने हृदय के 100त्न ब्लॉकेज पर दर्ज की जीत, एसीआई में मरीज की सफल एंजियोप्लास्टी*

एसीआई बना हृदय रोग उपचार का भरोसेमंद केंद्र, पड़ोसी राज्यों से भी मरीज पहुँच रहे उपचार के लिए

रायपुर । पं. जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट (एसीआई) अब छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्यों के लिए भी हृदय रोग उपचार का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। हाल ही में एसीआई के कार्डियोलॉजी विभाग में मध्यप्रदेश निवासी 60 वर्षीय मरीज की चारों नसों में 100त्न ब्लॉकेज के बाद भी सफल एंजियोप्लास्टी की गई।

परिजनों के अनुसार, मरीज वर्षों से दवाओं के सहारे जीवन जी रहे थे और मध्यप्रदेश के कई प्रमुख अस्पतालों ने एंजियोप्लास्टी करने से इनकार कर दिया था। इस बीच एक परिचित ने बताया कि एसीआई में पूर्व में भी एक जटिल हृदय रोग का सफल उपचार हुआ है। इसी आशा के साथ वे रायपुर पहुँचे।मरीज ने बताया, जब बड़े अस्पतालों ने जवाब दे दिया था कि इलाज संभव नहीं, तब एसीआई मेरे लिए अंतिम उम्मीद था। मैंने डॉक्टर से कहा कि जितना भी जोखिम हो, आप इलाज शुरू कीजिए, मैं मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हूँ। उन्होंने आगे कहा कि एसीआई के डॉक्टरों ने उन्हें नया जीवनदान दिया।कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव के नेतृत्व में यह प्रक्रिया राइट फीमोरल एंजियोप्लास्टी के जरिए की गई, जिसमें पूरी तरह ब्लॉक नसों को सफलतापूर्वक खोला गया। मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जाएगी।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि पाँच वर्ष पूर्व भी मध्यप्रदेश से आए एक मरीज की लेजर एंजियोप्लास्टी सफल रही थी। इस बार भी जटिलता को देखते हुए लेजर तकनीक की तैयारी की गई थी, किंतु सामान्य एंजियोप्लास्टी से ही सकारात्मक परिणाम मिल गए।

माता देवालयों में नवरात्रि के द्वितीय दिवस मां ब्रम्हचारिणी की पूजा हुई

रायपुर। नवरात्रि का पर्व प्रारंभ हो गया है। शक्ति के इस पर्व में श्रद्धालु भक्तों द्वारा पूरे नौ दिन माता के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। आज नगर के प्राचीन मंदिर महामाया, दंतेश्वरी, कालीमाई, शीतला माई, धूमावती माई, कंकाली माई, मावली माई, मरही माई, बंजारी माई सहित समस्त देवालयों में मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रम्हचारिणी की पूजा सुबह से ही विधि विधान से की जा रही है। पौराणिक मान्यता के अनुसार नवरात्रि के नौ दिनों में माता के नौ स्वरूपों को अलग अलग भोग चढ़ाया जाता है। मां ब्रम्हचारिणी की विधिवत पूजा की जाती है। पुराणों में दिये गये तथ्यों के आधार पर पूर्व जन्म में मां ब्रम्हचारिणी राजा हिमालय और देवी मैना की पुत्री थी। देव ऋषि नारद के उपदेश से उन्होंने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए हजारों वर्षों तक घनघोर तपस्या की। इस अवधि में माता ने फल फूल खाए और कुछ वर्षों तक साग खाकर उपवास को जारी रखा। इसके बाद माता ब्रम्हचारिणी ने सूखे बिल्व पत्र खाकर भी तपस्या जारी रखी। देवाताओं और ऋषियों ने उनके तपस्याओं से प्रसन्न होकर उनका नाम ब्रम्हचारिणी रखा। शिक्षा दीक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए मां ब्रम्हचारिणी की पूजा करने से उन्हें सफलता प्राप्त होती है। मां के मंदिरों में आज मां ब्रम्हचारिणी के स्वरूप का विशेष श्रृंगार किया गया है। सुबह से ही भक्तों की कतार माता के उक्त स्वरूप को दर्शन करने के लिए अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रही है। इसके अलावा राजधानी में विभिन्न पंडालों में मां के नौ स्वरूपों की मनभावन झांकी बनाई गई है जिसे देखने के लिए देर रात तक भक्तगणों का आने का सिलसिला जारी है। शहर के अधिकांश मार्ग शाम पांच बजे से रात 12 बजे तक जाम रहते हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा प्रमुख मार्गों में जिनमें सदर बाजार मालवीय रोड रामसागर पारा, पुरानी बस्ती टिकरापारा एवं गुढ़ियारी सहित पुराने मोहल्लों में माता के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों के लिए बेरिकेट लगाकर दर्शन सुलभ बनाने की कोशिश जारी है।

छत्तीसगढ़ में पुरानी गाड़ियों की बिक्री पर अब लगेगा अतिरिक्त टैक्स, नया मोटरयान कराधान अधिनियम लागू

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने पुराने वाहनों की खरीद-बिक्री पर टैक्स लगाने के लिए मोटरयान कराधान अधिनियम 2025 को लागू कर दिया है। विधानसभा से पारित इस अधिनियम को अब राज्यपाल की मंजूरी भी मिल चुकी है, जिससे यह नया कानून अब पूरे राज्य में प्रभावी हो गया है। इसके तहत अब पुरानी गाड़ियों के नामांतरण यानी ट्रांसफर पर भी टैक्स चुकाना होगा, चाहे वह निजी हो या व्यावसायिक वाहन।

सरकार द्वारा जारी नियमों के अनुसार, गैर-परिवहन वाहनों (जैसे निजी कार, बाइक आदि) की दूसरी या उससे अधिक बार बिक्री पर वाहन के मानक मूल्य का 1 प्रतिशत टैक्स लगेगा। वहीं परिवहन वाहनों (जैसे ट्रक, बस आदि) पर यह टैक्स 0.5त्न निर्धारित किया गया है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई पुरानी कार जिसकी मानक कीमत 10 लाख रुपये है, दोबारा बेची जाती है, तो नए मालिक को 10,000 रुपये का अतिरिक्त टैक्स देना होगा। यह नियम हर ट्रांसफर पर लागू रहेगा।

इसके साथ ही, सरकार ने कंस्ट्रक्शन से जुड़े वाहनों और मशीनों (जैसे डंपर, लोडर, क्रेन, बेकहो लोडर आदि) पर भी टैक्स प्रणाली में बड़ा बदलाव किया है। अब इन पर मासिक या तिमाही टैक्स की बजाय लाइफटाइम टैक्स अनिवार्य कर दिया गया है। यदि इनका स्वामित्व बदला जाता है या वे दोबारा बेचे जाते हैं, तो मालिक को वाहन के मानक मूल्य का 0.5 प्रतिशत टैक्स देना होगा। सरकार के इस फैसले से वाहन बाजार में हलचल देखी जा रही है। जीएसटी में कटौती और नए टैक्स नियम लागू होने के कारण राजधानी रायपुर के दोपहिया, चारपहिया और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की दुकानों में खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी।

नमो मैराथन में दौड़ा रायगढ़ : आत्मनिर्भर भारत, फिट इंडिया और नशा मुक्त भारत का दिया संदेश

प्रथम दस स्थानों पर आने वाले प्रतिभागियों को मिलेगा 5-5 हजार रूपये का पुरूस्कार

रायपुर। सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत हुआ नमो मैराथन दौड़ का आयोजन रायगढ़ में आत्मनिर्भर भारत, फिट इंडिया और नशा मुक्त भारत का संदेश देते हुए मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ चौक से मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मैराथन रायगढ़ के दौड़ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ चौक से होते हुए गांधी चौक, सुभाष चौक, रामनिवास टॉकीज चौक, शहीद चौक से हेमू कालानी चौक होते हुए कमला नेहरू उद्यान में समाप्त हुई। यह कार्यक्रम सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत आयोजित किया गया।वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने मैराथन दौड़ के विजेताओं को बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि जीत-हार से ज्यादा महत्वपूर्ण अपनी पूरी क्षमता और खेल भावना से प्रतियोगिता में हिस्सा लेना है। लगन और समर्पण के साथ किया गया प्रयास ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रथम दस स्थान पर आने वाले बालक और बालिकाओं को स्वेच्छानुदान मद से 5-5 हजार रूपये देने की घोषणा की।वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने कुशल नेतृत्व से आज भारत को वैश्विक मानचित्र में स्थापित करने का काम किया है। उनके मार्गदर्शन में किए जा रहे कार्यों से देश ने प्रगति के कई सोपान तय किए हैं। 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक यह सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ में एक भी राष्ट्रीय स्तर की संस्था नहीं थी। किन्तु आज आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपलआईटी, एनआईटी, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जैसी देश की लगभग सभी प्रमुख संस्थाएं यहां संचालित हैं।

पिछले डेढ़ साल में छत्तीसगढ़ में 3 राष्ट्रीय स्तर कि संस्थाओं की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

संतों का मार्गदर्शन समाज को सत्मार्ग की ओर प्रेरित करता है : रंजना साहू

ग्राम रूद्री में शिव महापुराण महोत्सव का भव्य आयोजन, प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू हुईं शामिल

धमतरी । ग्राम रूद्री में चल रहे शिव महापुराण महोत्सव में एक विशेष धार्मिक उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस पावन अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू कथास्थल में पहुंची। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर उन्होंने सबसे पहले व्यासपीठ पर विराजमान पूज्य कथावाचक पंडित शिवानंद जी महाराज को साल श्रीफल भेंटकर साष्टांग प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किए। आयोजकों को ऐसे भव्य धार्मिक आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि इस प्रकार के आध्यात्मिक अनुष्ठान समाज में सांस्कृतिक चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमें पूज्य पंडित शिवानंद जी महाराज जैसे धमतरी के विद्वान कथावाचक का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है, उन्होंने जिस भावप्रवण शैली में भगवान श्री गणेश एवं श्री कार्तिकेय के जन्म की पावन कथा का वर्णन किया, वह अत्यंत मनोहारी, मार्मिक एवं आध्यात्मिक रस से परिपूर्ण था।

उनकी वाणी में शास्त्र का ज्ञान है, अनुभव की गहराई है और भक्ति की शक्ति है। ऐसे संतों का मार्गदर्शन समाज को सन्मार्ग की ओर प्रेरित करता है। पंडित शिवानंद जी महाराज ने अपने अमृतमय वचनों के माध्यम से भगवान श्री गणेश के जन्म की कथा, उनकी माता पार्वती के तप, एवं भगवान शंकर द्वारा श्री गणेश को अपने पुत्र रूप में स्वीकार करने की गाथा का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। साथ ही श्री कार्तिकेय जी के अवतरण, उनके शौर्य, एवं त्रिपुरासुर वध से जुड़े प्रसंगों को भी विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। उनकी कथा शैली इतनी सजीव और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर थी कि श्रोताओं की दीर्घाएं मंत्रमुग्ध होकर कथा श्रवण में लीन रहीं। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्यामा नरेश साहू, सभापति जनपद पंचायत धमतरी अनिता मुकेश यादव, ग्राम पंचायत सरपंच महोदया, ग्रामीण वरिष्ठ प्रीतम साहू, संगीता, घनश्याम यादव, अनिता वर्मा, कांति साहू, उत्तरा ध्रुव, नंदकुमारी नेताम, हंसराज साहू, गणपत यादव, हरिश कौशिक, गोपाल साहू, तुलसी राम, बेदूराम सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु श्रोतागण उपस्थित रहे।

मुफ्त बिजली योजना से बदल रही जिंदगी,उपभोक्ता बन रहे ऊर्जा उत्पादक

बिजली का बिल हुआ अतीत, सूरज की रोशनी बनी आत्मनिर्भरता का जरिया

रायपुर । सूरज की किरणें अब केवल जीवनदायिनी शक्ति ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती का नया स्रोत भी बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम उपभोक्ताओं को ऊर्जा उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बना दिया है। रायगढ़ समेत प्रदेश के सभी जिलों में यह योजना सैकड़ों परिवारों के जीवन को नई रोशनी दे रही है। अब तक जिले में 300 से अधिक घरों की छत पर सौर पैनल लगाए जा चुके हैं। इस योजना का लाभ उठाने वाले परिवारों के अनुभव ही इसकी असली सफलता की कहानी बयां कर रही हैं। लोहरसिंह गांव के ईश्वर प्रसाद नायक ने बताया कि 3 किलोवॉट का सोलर प्लांट लगाने के बाद अप्रैल में 267 यूनिट बिजली उत्पन्न हुई। उन्हें 577 रुपए की छूट मिली। मई में उनका पूरा उपभोग सौर ऊर्जा से पूरा हुआ और बिल शून्य हो गया। रायगढ़ के एक अन्य उपभोक्ता ने बताया गया कि इस योजना ने उन्हें आर्थिक राहत के साथ मानसिक शांति और आत्मनिर्भरता का अहसास भी कराया। उनके 3 किलोवॉट प्लांट से 507 यूनिट बिजली उत्पन्न हुई। उन्हें 4,178 रुपए की छूट मिली। वे अब अतिरिक्त बिजली ग्रिड में देकर हर महीने हजारों रुपये की बचत कर रहे हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम उपभोक्ताओं को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। उपभोक्ता न केवल घरेलू जरूरतें पूरी कर सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में बेचकर अतिरिक्त आमदनी भी अर्जित कर सकते हैं।

आकर्षक सब्सिडी और आसान प्रक्रिया विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 1 किलोवाट प्लांट से प्रतिमाह लगभग 120 यूनिट बिजली उत्पादन होता है। इसमें केंद्र सरकार 30 हजार रुपए एवं राज्य सरकार 15 हजार रुपए सब्सिडी प्रदान करती है। 2 किलोवाट प्लांट से प्रतिमाह लगभग 240 यूनिट बिजली उत्पादन होता है। इसमें केंद्र सरकार 60 हजार रुपए एवं राज्य सरकार 30 हजार रुपए सब्सिडी देती है। 3 किलोवाट प्लांट से प्रतिमाह लगभग 360 यूनिट बिजली उत्पादन होता है। इसमें केंद्र सरकार 78 हजार रुपए एवं राज्य सरकार 30 हजार रुपए सब्सिडी देती है। शेष राशि उपभोक्ता स्वयं वहन करेंगे, जिसे बैंक ऋण सुविधा के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है। योजना का लाभ पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से दिया जा रहा है। उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 1912 पर कॉल कर आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नजदीकी सीएसपीडीसीएल कार्यालय से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उपभोक्ता स्वयं ही ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से वेंडर का चयन कर सकते हैं। त्रिपाठी

छत्तीसगढ़ की बेटी बैंगलोर में सम्मानित, इंटीरियर की दुनिया में दिव्या उभरता नाम

रायपुर। राजधानी रायपुर की दिव्या गुप्ता को हाल ही में बैंगलोर में इंटीरियर की दुनिया में शानदार कार्य करने हेतु राइजिंग स्टार की उपाधि से नवाज़ा गया है। रायपुर के सेंट जेवियर्स स्कूल में पढ़ी इंश्योरेंस एजेंट राजेंद्र प्रसाद गुप्ता एवं गृहणी अमिता गुप्ता की बेटी दिव्या ने चाणक्य कॉलेज से इंटीरियर डिजाइनिंग में अपना ग्रेजुएशन पूरा कर देहरादून में इंटर्नशिप किया है।

लॉकडाउन में राजधानी रायपुर वापस लौटी दिव्या ने पहले 1 वर्ष नौकरी की जिसके बाद उसने खुद की कंपनी डिजाइन ऑन डाइम शुरू की और आज कॉन्सेप्ट डिजाइनिंग से लेकर प्रोजेक्ट को आखिरी आकार देने तक का कार्य कर रही है। दिव्या ने बताया कि हर प्रोजेक्ट में कुछ नया एवं आकर्षक करने के साथ ही आधुनिकता के साथ सुंदरता का परिचय दिया जा रहा है। उनका मानना है कि कम बजट में भी बेहद शानदार डिजाइन के साथ ग्राहक के घर की साइज सहित सुविधानुसार एक मकान को खूबसूरत आशियाने में तब्दील किया जा सकता है।

दिव्या ने राजधानीवासियों के आवासीय सहित व्यापारिक प्रोजेक्ट्स में डिजाइनिंग कर उनके सपनों को हकीकत में बदल अपनी प्रतिभा का हुनर दिखाया है। दिव्या का कहना है कि तत्परता, मेहनत और नई सोच से भविष्य में विदेश की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए अपने ग्राहकों को नया अनुभव देना उनकी प्राथमिकता है। दिव्या ने बताया कि कार्य स्थल पर महीनों तक बड़े संघर्ष के बाद ग्राहकों को उनकी मनपसंद डिजाइन जमीन पर मिलती है पर रोज़ कुछ नया भी सीखने को मिलता है।

दिव्या ने लग्जरी को बजट में डिजाइन कर विश्वसनीयता हासिल की और आमजन की मानसिकता बदली है। वही महिलाओं को संदेश दिया है कि उन्हें घर के काम सीखने से लेकर घर बनाने तक का कार्य आना चाहिए जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर होकर सशक्त भारत का निर्माण कर सके।

विकासशील को मुख्य सचिव बनाने की ताजपोशी शुरू,29 को आएंगे रायपुर मंत्रालय में देंगे अपनी ज्वाइनिंग

रायपुर। प्रदेश में नये मुख्य सचिव की तलाश अब समाप्त होने जा रही है। यहां पर चार अतिरिक्त मुख्य सचिव को सुपरसिड कर आईएएस विकासशील को मुख्य सचिव बनाने के लिए ताजपोशी शुरू हो गई है। यदि वे यहां आ जाते है तो उनकी पत्नी निधि छिब्बर को भी केंद्र से वापस बुलाना पड़ेगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार विभागीय सचिव ने विकासशील को बतौर मुख्य सचिव के पद पर ज्वाइनिंग देने के लिए एक पत्र भेज दिया है जिनके अनुसार अब 29 सितंबर को आने की संभावना है। वर्तमान में एसीएस सुब्रत साहू रेणु पिल्ले, मनोज पिंगुआ एवं ऋचा शर्मा को सुपरसिड कर विकासशील को मुख्य सचिव बनाने से वरिष्ठ अधिकारियों में आश्चर्य व्याप्त है। ज्ञात रहे विकासशील साहब एशिया डेव्लपमेंट अध्यक्ष पद पर बतौर चेयरमैन सिंगापुर में कार्यरत है। इसके पहले वे जल जीवन मिशन में कार्यरत थे। जल जीवन मिशन में उन्होंने कई उल्लेखनीय कार्य किये थे। यह यूनेस्को की महत्वाकांक्षी योजना है। इसे भारत सरकार के द्वारा संचालित किया जाता है राज्य में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से क्रियान्वित किया जाता है। यह योजना काफी सफल रही है।अमिताभ जैन को विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष बनाने की तैयारीछग के मुख्य सचिव अमिताभ जैन 30 को अवकाश ग्रहण करने

जा रहे है। उन्हें तीन महीने की कार्य अवधि में वृद्धि दी गई थी। जिसके चलते अब वे अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। अब उन्हें विद्युत नियामक आयोग का अध्यक्ष बनाये जाने की तैयारी चल रही है। अमिताभ जैन बालोद जिले के कारोबारी परिवार से संबंध रखते हैं। वे एक होनहार छात्र है जिनका शैक्षणिक रिकार्ड अति उत्तम है। इसके अलावा मनोज पिंगुआ गृह सचिव ऋचा शर्मा वन विभाग रेणु पिल्ले स्वास्थ्य एवं सुब्रत साहू आवास पर्यावरण विभाग भी मुख्य सचिव की दौड़ में शामिल थे। अब विकासशील साहब के आने का इंतजार किया जा रहा है। यदि वे पदभार ग्रहण नहीं करते है तो नये सिरे से मुख्य सचिव के लिए कवायद करनी पड़ेगी।

छत्तीसगढ़ को महिला केन्द्रित विकास का मॉडल बनाने वाली योजना महतारी सदन : सीएम साय

मुख्यमंत्री ने धमतरी के करेली बड़ी से 51 महतारी सदनों का किया लोकार्पण

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज धमतरी जिले के मगरलोड विकासखंड के करेली बड़ी गांव से प्रदेश के 51 महतारी सदनों का लोकार्पण किया। नवरात्रि के पावन पर्व के दौरान शुरू की गई महतारी सदन योजना को श्री साय ने प्रदेश की माताओं और बहनों की तरक्की के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि माताओं-बहनों, के लिए गाँवों में ही केंद्र बनाने महतारी सदनों के निर्माण की घोषणा सरकार ने की थी ताकि आप वहां एकत्रित होकर एक बड़ी सुविधापूर्ण जगह में मिल-जुलकर अपना काम कर सकें। आज यह बड़ा काम पूरा हुआ है। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा, राजस्व मंत्री

श्री टंकराम वर्मा, लोकसभा सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी, पूर्व मंत्री एवं कुरूद के विधायक श्री अजय चन्द्राकर सहित सचिव निहारिका बारिक और जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण जन एवं गणमान्य नौगरिक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने आस्था महिला संकुल संगठन करेली बड़ी की महिला समूह सदस्यों को महतारी सदन का हस्तांतरण प्रमाण पत्र भी सौंपा। मुख्यमंत्री ने परिसर मौलश्री का पौधा भी रोपा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी सदन योजना छत्तीसगढ़ को महिला-केंद्रित विकास का मॉडल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महतारी सदन केवल महिलाओं की तरक्की का आधार ही नहीं बनेगा, बल्कि यह पूरे प्रदेश की तरक्की का आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महतारी सदन माताओं-बहनों की शक्ति, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया केंद्र होगा। महतारी सदन शिक्षा, कौशल और उद्यमिता के द्वार खोलेंगे। उन्होंने कहा कि इन सदनों में महिला स्व-सहायता समूहों को जोड़कर आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। माताएँ-बहनों के लिए महतारी सदन में सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, हस्तशिल्प, कृषि-आधारित प्रशिक्षण और डिजिटल साक्षरता जैसे अनेक कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

माँ भवानी मंदिर में जगतगुरु रामभद्राचार्य की रामकथा, माता ज्योति ने पूरा किया वचन

कोरबा । शहर में माँ भवानी मंदिर में जगतगुरु रामभद्राचार्य जी महाराज द्वारा 22 से 30 सितंबर तक आयोजित श्रीराम कथा का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह मंदिर माता कौशल्या की गोद में बालस्वरूप श्रीराम की भव्य प्रतिमा और रामचरित मानस की मार्बल पर अंकित पूरी कथा के साथ अद्वितीय है।गौरतलब है कि पूज्य जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज ने 16 साल पूर्व माँ भवानी मंदिर कोरबा की माता ज्योति पांडेय से कहा था कि माता कौशल्या की गोद मे श्रीराम जी का (बालस्वरूप) मंदिर बनाओ। उनकी इच्छा को शिरोधार्य कर धीरे धीरे 15 वर्षो में माता ज्योति पांडेय जी ने कोरबा में भव्य मानस मंदिर का निर्माण करवाया। जहा माता कौशल्या की गोद मे बालस्वरूप श्रीराम विराजमान है और मंदिर के चारो तरफ दीवार पर मार्बल में समूर्ण रामचरित मानस अंकित है ।

ध्वनि प्रदूषण रोकने सरकार को ठोस कदम उठाने के दिए निर्देश, हाईकोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने ध्वनि प्रदूषण को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं। अदालत ने मुख्य सचिव को आदेश दिया कि शोर प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही त्योहारों और जुलूसों के दौरान सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखने और उल्लंघन की स्थिति में सबूत सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। सुनवाई स्वतः संज्ञान से शुरू हुई मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बीडी गुरु की खंडपीठ ने अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की। सरकार ने अदालत को बताया कि जनवरी 2025 में कोलाहल नियंत्रण

अधिनियम, 1985 में संशोधन के लिए एक पांच सदस्यीय समिति गठित की गई थी। समिति की 29 मई, 14 अगस्त और 15 सितंबर 2025 को बैठकें हुईं, जिनमें मसौदा संशोधनों पर चर्चा की गई। फिलहाल यह मसौदा गृह विभाग के पास विचाराधीन है और अंतिम राय के बाद संशोधन प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। त्योहारों में सीसीटीवी से निगरानी का सुझाव हस्तक्षेपकर्ता ने सुनवाई में सुझाव दिया कि रायपुर जिले में त्योहारों के दौरान लगाए गए 783 सीसीटीवी कैमरों से शोर प्रदूषण की निगरानी की जा सकती है। अदालत ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि त्योहार और जुलूस के दौरान की फुटेज सुरक्षित रखी जाए, ताकि उल्लंघन की स्थिति में प्रमाण उपलब्ध हों। अदालत ने साफ कहा कि ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए सरकार को सिर्फ कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे। मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

ग्रामीण से वैश्विक तक स्वास्थ्य सेवा का अनुभव, अब एम्स रायपुर को मिलेगा डॉ. जैन का मार्गदर्शन

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के नए अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. बुधेन्द्र कुमार जैन ने तीन दिवसीय दौरे के दौरान संस्थान की विभिन्न गतिविधियों का गहन अवलोकन किया। प्रख्यात नेत्र विशेषज्ञ और समाज सुधारक डॉ. जैन ने इस दौरान कई विभागों का निरीक्षण कर रोगियों से संवाद किया और एम्स रायपुर को मध्य भारत के प्रमुख स्वास्थ्य एवं शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में अपने विज़न का स्पष्ट संदेश दिया।

डॉ. जैन के आगमन पर एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने उनका स्वागत किया। ग्रामीण नेत्र देखभाल और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं में पाँच दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाले डॉ. जैन, चित्रकूट स्थित सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय और जानकीकुंड चिकित्सालय के निदेशक भी हैं। उनके नेतृत्व में प्रतिवर्ष दो लाख से अधिक नेत्र शल्यक्रियाएँ की जाती हैं और वंचित तबकों तक अभिनव आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएँ

पहुँचाई जाती हैं।

सेवा, अनुशासन और करुणा पर आधारित उनके दर्शन ने नेत्र चिकित्सा के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण, कृषि, शिक्षा और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों को भी नई दिशा दी है। इसी योगदान के लिए उन्हें एआईओएस लाइफ्टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, स्पिरिट ऑफ ह्यूमैनिटी अवॉर्ड, ग्लोरी ऑफइंडिया अवॉर्ड जैसे अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं। मई 2025 में भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया, जबकि जून 2025 में उन्हें हिप्पोक्रेट्स लेगेसी अवॉर्ड प्रदान किया गया।

एम्स रायपुर के दौरे के दौरान डॉ. जैन ने ट्रॉमा व इमरजेंसी, क्रिटिकल केयर, आर्थोपेडिक्स और जनरल सर्जरी विभाग का निरीक्षण किया। उन्हें आपातकालीन देखभाल हेतु अभिनव भीष्म क्यूब्स की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। उन्होंने सिमुलेशन लैब का जायजा लिया और पेशेंट सेफ्टी कमेटी की ओर से तैयार पेशेंट सेफ्टी हैंडबुक का विमोचन किया।

डॉ. जैन द्वारा रिनल ट्रांसप्लांट सुविधा का उद्घाटन किया। इसी क्रम में उन्होंने पीडियाट्रिक सर्जरी एवं नेत्र विज्ञान वार्ड्स, नेत्र विज्ञान एवं नेफ्रोलॉजी ओपीडी, तथा डेंटिस्ट्री विभाग में कोन बीम कम्प्यूटेड टोमोग्राफी (ष्ट्क्ष्ञ) यूनिट का भी लोकार्पण किया। डॉ. जैन ने संस्थान की जनरल बॉडी मीटिंग में भाग लिया और फैकल्टी सदस्यों के साथ एम्स रायपुर के भावी रोडमैप पर विस्तार से चर्चा की।

दौरे के समापन पर उन्होंने एम्स रायपुर की बढ़ती भूमिका पर विश्वास जताते हुए कहा कि संस्थान जल्द ही मध्य भारत का प्रमुख स्वास्थ्य और शैक्षणिक केंद्र बनेगा। उन्होंने रोगी-केंद्रित, विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराने के संकल्प को दोहराया और संकाय व कर्मचारियों से उत्कृष्टता की दिशा में सतत प्रयत्नशील रहने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को मिला पक्का घर

जशपुरनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना ने देशभर में आवासहीन परिवारों के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं। मनोरा विकासखंड के ग्राम पंचायत बुमतेल निवासी प्रदीप राम उरांव पिता राम जन योजना से लाभान्वित होकर अपने पक्के मकान के सपने को साकार कर रहे हैं। खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले प्रदीप का जीवन कच्चे घर में अनेक कठिनाइयों से गुजरता था। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था, हर वर्ष घर की मरम्मत करनी पड़ती थी और बच्चों की पढ़ाई में भी बाधाएँ आती थीं।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत उन्हें 1.20 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई, जिसमें से अब तक दो किस्तों में 95 हजार रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। शेष राशि मकान पूर्ण होने पर उपलब्ध होगी। वर्तमान में उनका पक्का घर निर्माणाधीन है और छत ढलाई का कार्य प्रगति पर है। यह आवास उनके परिवार के लिए एक स्थायी और सुरक्षित आश्रय साबित होगा। सिर्फ आवास ही नहीं, बल्कि शासन की अन्य योजनाओं का भी लाभ प्रदीप को मिल रहा है। उन्हें राशन कार्ड के माध्यम से सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध हो रहा है और आयुष्मान भारत कार्ड के जरिए परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा प्राप्त है। इन योजनाओं ने उनके जीवन को और अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया है।

प्रदीप राम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना हमारे जैसे गरीब परिवारों के लिए वरदान है। इस योजना ने हमें सुरक्षित छत, स्वास्थ्य सुरक्षा और खाद्यान्न की सुविधा देकर वह सम्मान दिया है जिसकी कल्पना हमने वर्षों से की थी। प्रधानमंत्री आवास योजना केवल पक्का घर बनाने की योजना नहीं है, बल्कि यह जरुरतमंद परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और स्थायी जीवन का आधार बन चुकी है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

GEN-Z ने राहुल की सोच को खारिज किया

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों ने राहुल गांधी को रिजेक्ट कर दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के चुनाव में RSS के छात्र संगठन ABVP की भारी जीत हुई। एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने GEN-Z से सड़क पर आने की अपील की थी। शुक्रवार को दिल्ली के GEN-Z ने कांग्रेस के छात्र संगठन के उम्मीदवारों को सड़क पर खड़ा कर दिया। राहुल ने अपील की थी कि देश के छात्र, युवा और संविधान को बचाने के लिए आगे आएं। एक दिन बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव के जो नतीजे आए उसमें GEN-Z ने अपना फैसला सुना दिया। दिल्ली यूनीवर्सिटी में डेढ़ लाख से ज्यादा छात्र हैं। ज्यादातर छात्र बीस से पच्चीस साल की उम्र के है और इन GEN Z वोटर्स ने राहुल गांधी को करारा जवाब दिया। चार में से तीन पदों पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के उम्मीदवार जीते, सिर्फ उपाध्यक्ष का पद NSUI को मिला।

तेजस्वी के खिलाफ घर वालों की बगावत से बीजेपी गदगद

संजय सक्सेना- वरिष्ठ पत्रकार

बिहार की सियासत में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा का विषय लालू प्रसाद यादव का परिवार बना हुआ है। लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल में नेतृत्व की बागडोर संभाल रहे तेजस्वी यादव को लेकर एक बार फिर से घर के भीतर खटपट की खबरें सामने आ रही हैं। विपक्षी नेताओं ने इस खटपट को और गहराने का मौका पकड़ लिया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने तो तेजस्वी यादव को राजद का औरंगजेब तक करार दे दिया। उनका आरोप है कि तेजस्वी पहले अपने ही बड़े भाई का राजनीतिक करियर खत्म कर चुके हैं और अब अपने पिता लालू प्रसाद यादव तक को चुप करा दिया है। इस तरह का बयान मिलने के बाद यह सवाल और गहरा गया है कि क्या वाकई लालू परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। तेजस्वी के खिलाफ उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव, बहन मीसा भारती और रोहणी आचार्य तीनों खुलकर बयानबाजी कर रहे हैं। क्या इसका असर बिहार की राजनीति और खासतौर पर आगामी चुनावों में राजद पर पड़ेगा,यह भविष्य की राजनति में छिपा है।

तेजस्वी यादव, जो लंबे समय तक लालू प्रसाद यादव के सबसे भरोसेमंद वारिस माने जाते रहे हैं, आज पूरी पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। लेकिन हाल के दिनों में संगठन और परिवार के भीतर से यह खबरें लगातार आ रही हैं कि सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है। लालू परिवार में राजनीतिक वर्चस्व को लेकर पुराने मतभेद कई बार सतह पर आए हैं। तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव के बीच की तनातनी किसी से छिपी नहीं है। तेजप्रताप कई बार सार्वजनिक मंचों से अपनी उपेक्षा का दर्द बयां कर चुके हैं। कभी कहा गया कि उन्हें पार्टी में सम्मान नहीं मिल रहा तो कभी यह आरोप लगे कि उनकी अनदेखी कर सारी शक्ति धीरे-धीरे तेजस्वी के हाथों में सौंप दी गई है।

तेजप्रताप यादव के अलावा मीसा भारती भी कई मौकों पर अपने राजनीतिक महत्वाकांक्षा को सामने ला चुकी हैं। मीसा को राजनीति में ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका क्यों नहीं मिल रही, यह सवाल समर्थकों के बीच खड़ा होता रहा है। इस तरह यह साफहै कि लालू परिवार में उत्तराधिकार और नेतृत्व का सवाल हमेशा से भीतर-भीतर तनाव का कारण बना रहा है। आज जब भाजपा जैसे विपक्षी दल लालू परिवार में इस खटपट को उभार रहे हैं और तेजस्वी यादव को औरंगजेब कहकर संबोधित कर रहे हैं, तो यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि एक गहरे संकट की ओर इशारा भी है। अमित मालवीय का आरोप यह संकेत देता है कि भाजपा आगामी चुनाव में इस परिवारिक विवाद को बड़े मुद्दे के रूप में सामने लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने जिस तरह कहा कि तेजस्वी ने अपने भाई को राजनीतिक रूप से खत्म कर दिया और पिता को जेल के हवाले छोड़ दिया, उसी तरह यह एजेंडा बनाकर जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया जा सकता है। बिहार की राजनीति में परिवारवाद का सवाल हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है। इस पर हमला कर विपक्ष अपने लिए मौका तलाशता है।

लालू यादव का प्रभाव अब भी मुस्लिम-यादव समीकरण में गहरा है लेकिन समय के साथ परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब जनता यह भी देख रही है कि जिन नेताओं ने परिवार के नाम पर राजनीति की, उनके भीतर ही असहमति और मतभेद का माहौल क्यों है। राजद के मतदाताओं के सामने यह स्थिति असमंजस पैदा कर सकती है। तेजस्वी यादव की छवि जहां एक युवा और महत्वाकांक्षी नेता की है, वहीं दूसरी ओर उनके भीतर के परिवारिक विवाद विपक्ष के लिए मजबूत हथियार बनते जा रहे हैं। तेजस्वी यादव ने अब तक इस विवाद पर खुलकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वे अपनी राजनीतिक यात्राओं और अभियानों में लगे हुए हैं, लेकिन पार्टी के भीतर यह असंतोष धीरे-धीरे और गहराता जा रहा है। संगठन के कई पुराने नेता भी निजी बातचीत में स्वीकार करते हैं कि अगर परिवारिक संघर्ष सार्वजनिक रूप से और बढ़ा तो इसका नुकसान पार्टी को चुनावी मैदान में भुगतना पड़ेगा। यह नुकसान खासकर उन इलाकों में झेलना पड़ सकता है जहां राजद का सामाजिक आधार कमजोर हो चुका है या फिर जहां भाजपा और जदयू ने पैठ बना ली है।

लालू यादव का स्वास्थ्य और उनकी उम्र भी इस समय एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। जेल की सजा और बीमारी के चलते लालू यादव अब सक्रिय राजनीति से दूर हैं। ऐसे में जो भूमिका पहले वे परिवार और पार्टी दोनों को एकजुट रखने के लिए निभाते थे, वैसी स्थिति आज नहीं रही। लालू प्रसाद यादव का राजनीतिक करिश्मा परिवार को जोड़े रखने का बड़ा सहारा था। लेकिन आज वही संतुलन टूटता नजर आ रहा है। इस खालीपन में तेजस्वी यादव अपनी ताकत तो बढ़ा रहे हैं, पर दूसरी ओर भाई-बहनों और यहां तक कि संगठन के भीतर एक वर्ग उपेक्षित महसूस कर रहा है। बिहार में चुनावी राजनीति पूरी तरह से समीकरण आधारित होती है। यादव-मुस्लिम मतों के साथ-साथ अन्य पिछड़ी जातियों और दलितों का समर्थन जीतने की जद्दोजहद हर चुनाव में होती है। यदि लालू परिवार में झगड़े की खबरें ज्यादा उभरें और विपक्ष इसका प्रचार करे तो इससे राजद के परंपरागत मतदाता भी कमजोर पड़ सकते हैं। मतदाता यह सोचने लग सकते हैं कि अगर परिवार ही एकजुट नहीं है तो पूरी पार्टी कैसे स्थिर नेतृत्व दे पाएगी।

राजद के अंदरूनी संकट का फायदा भाजपा और जदयू जमकर उठाने की कोशिश करेंगे। तेजस्वी यादव भले ही मजबूत नेता के रूप में उभर रहे हों, लेकिन परिवार और संगठन के भीतर का यह मतभेद उनका सबसे बड़ा दुर्बल पक्ष बनता जा रहा है। चुनाव में जनता जब समर्थन देती है तो वह केवल नेता की छवि ही नहीं बल्कि संगठन और उसके आंतरिक हालात को भी ध्यान में रखती है। ऐसे में अगर लालू परिवार में अनबन की खबरें लगातार सामने आती रहीं तो इसका सीधा असर राजद की सीटों पर पड़ेगा। इस समय भाजपा और उनके नेता पूरी तरह इस रणनीति पर काम कर रहे हैं कि लालू परिवार में जो भी दरार है उसे जनता के बीच और बड़े मुद्दे के रूप में परोसा जाए। यही कारण है कि अमित मालवीय जैसे नेता तेजस्वी को औरंगजेब कहकर संबोधित करने से भी नहीं झिझक रहे हैं। यह कहानी केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं बल्कि चुनावी लड़ाई की पूर्वभूमि है।

अगर तेजस्वी यादव समय रहते परिवार के भीतर के इस असंतोष को सुलझा नहीं पाए तो यह संभव है कि आगामी बिहार चुनाव में राजद को भारी नुकसान उठाना पड़े। मतदाताओं का विश्वास टूट सकता है और विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा मिल सकता है। राजद के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह विपक्ष को इस परिवारिक अनबन पर हमला करने का मौका न दे। लेकिन हालात जिस तरह से बन रहे हैं, उस पर काबू पाना आसान नहीं होगा। राजद का सामाजिक आधार अब भी मजबूत है और तेजस्वी की लोकप्रियता युवाओं में अच्छी है, लेकिन परिवारिक विवाद को लेकर जनता के बीच अगर यह धारणा बन गई कि नेतृत्व केवल वर्चस्व की लड़ाई में उलझा है, तो यह राजद को बिहार की चुनावी जंग में नुकसान पहुंचा सकता है। यही वजह है कि आज अमित मालवीय के बयान ने इस मुद्दे को और भी ज्यादा तूल दे दिया है और इसका असर सीधे-सीधे चुनावी राजनीति में देखने को मिल सकता है।

यह निजी विचार है।

कुकी और मैतेई के बीच समझौते पर सहमति

प्रमोद भार्गव

फरवरी, 2023 में मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच दंगों की शुरु आत हुई थी। अब जाकर यहां स्थायी शांति की दिशा में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से कुकी समुदायों के संगठनों के बीच समझौते पर सहमति बन पाई है। कुकी नेशनल ऑर्गेनाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) ने एक साल के लिए सभी ऑपरेशन निलंबित करने का फैसला लिया है। इससे राज्य में शांति की उम्मीद जगी है।

इससे पहले मणिपुर में खूनी संघर्ष के चलते संबंधित पक्ष अपनी शत्रे मनवाने पर अडिग थे। लेकिन अब कुकी-जो के दोनों प्रमुख संगठनों और केंद्र व राज्य सरकार के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं। बावजूद कहना मुश्किल है कि स्थायी शांति बनी रहेगी? कुकी गुटों ने मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने पर सहमति जताई है, जो मैतेई समुदाय की प्रमुख मांग थी। वरना इसके पहले कुकी संगठन अलग पहाड़ी राज्य की मांग कर रहे थे। यह चुनौती बड़ी थी, जिसे स्वीकारा जाना कठिन था। उम्मीद है कि टकराव और हिंसक संघर्ष की स्थिति समाप्त होगी। हालांकि इस समझौते के सामानांतर मणिपुर में नगाओं की संस्था ने मुक्त आवागमन के साथ भारत-म्यामार सीमा पर बाड़बंदी का विरोध करते हुए कारोबारी प्रतिबंध की घोषणा कर दी है। इस वक्तव्य के बाद कुकी-जो परिषद ने कहा है कि समझौते को मैतेई बस्तियों और कुकी-जो के क्षेत्रों के बीच के बफरजोन में किसी तरह की आवाजाही के रूप में नहीं समझा जाए। अब लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना सरकार का काम है। 13 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मिजोरम पहुंच रहे हैं। उम्मीद है कि उसके एक दिन पहले मोदी मणिपुर जा सकते हैं। प्रधानमंत्री यकीनन दोनों समुदायों को साधने की कोशिश करेंगे। मणिपुर में हिंसा भड़कने के बाद उनका यह पहला दौरा होगा। विपक्ष प्रधानमंत्री के मणिपुर नहीं जाने पर तल्ख टिप्पणी करता रहा है। 13 फरवरी, 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। उसके बाद से गृह मंत्रालय के साथ केएनओ और यूपीएफ के प्रतिनिधियों से बातचीत चल रही थी। फलतः सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओएस) त्रिपक्षीय समझौता संभव हुआ। समझौता एक साल के लिए लागू रहेगा।

याद रहे कि कुकी गुटों के साथ 2008 में ही एसओएस पर समझौता हुआ था, जिसे हर साल बढ़ाया जाता था। लेकिन हिंसा के चलते 2024 में इसे बढ़ाया नहीं गया और अब नई शतरे के साथ एसओएस पर समझौता हुआ है। समझौते के तहत मैतेई समुदाय की प्रमुख आपत्तियों के सामाधान भी तलाशे गए हैं। इसके तहत कुकी गुटों को अपने शिविर ऐसे स्थलों से हटाने होंगे जो मैतेई समुदाय से सटे हुए हैं। दरअसल, मैतेई समुदाय आरोप लगाता रहा है कि कुकी अपने शिविरों से मैतेइयों पर हमले करते रहते हैं। इन गुटों को यह भी सत्यापित करना होगा कि उनके गुटों में कोई विदेशी नागरिक तो शामिल नहीं है। इन गुटों के पास जो भी मारक हथियार हैं, उन्हें बीएसएफ और सीआरआरपीएफ के नजदीकी शिविरों में जमा करना होगा। इन शतरे पर पालन के लिए संयुक्त निगरानी समिति बनाई जाएगी। फरवरी, 2023 में राज्य सरकार ने पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों से अवैध प्रवासियों को बाहर करने की शुरुआत की थी। इन क्षेत्रों की नगा और कुकी समुदाय की 34 जातियां, जनजाति की श्रेणी में अधिसूचित हैं। अतएव इनके लिए चिन्हित भूभाग पर किसी गैर-जनजातीय समुदाय के लोग काबिज नहीं हो सकते हैं। विडंबना रही कि जिन लोगों को प्रवासी बता कर विस्थापन का सिलसिला शुरू हुआ तो उन्हें इस इलाके के मूल निवासी कुकी समुदाय ने अपना बताया।

हिमाचल प्रदेश से नरेन्द्र मोदी का अटूट रिश्ता

प्रेम कुमार धूमल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीवन यात्रा - एक समर्पित कार्यकर्ता से लेकर देश के सर्वोच्च नेतृत्व तक - भारत के विभिन्न अंचलों से उनके गहरे जुड़ाव की कहानी है। इन जुड़ावों में से एक विशेष व्यक्तिगत, राजनीतिक और आध्यात्मिक संबंध हिमाचल प्रदेश से रहा है। देवभूमि, वीरभूमि और अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य की धरती। देश की बागडोर संभालने से बहुत पहले ही, नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल की पवित्र वादियों पर अपनी छाप छोड़ दी थी।

मोदी का हिमाचल से औपचारिक जुड़ाव वर्ष 1994 में हुआ, जब उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया। नियुक्ति से पहले भी उनकी हिमाचल यात्राएँ आध्यात्मिक साधना और स्थानीय संस्कृति से गहरे संपर्क का माध्यम रही थीं। वे शिमला के जाखू और संकटमोचन मंदिरों में अक्सर जाया करते थे और मार्ग में बंदरों को खिलाने के लिए चना और गुड़ अपने साथ रखते थे - यह उनके जीवों एवं प्रकृति के प्रति करुणा भाव का परिचायक था।

1998 का विधान सभा चुनाव नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं हिमाचल से उनके जमीनी जुड़ाव का परिचायक रहा। उस दौर में न सोशल मीडिया था और न आधुनिक प्रचार साधन, फिर भी उन्होंने कहीं यात्राएँ निकालीं और जनसंपर्क के अभिनव तरीके खोज निकाले एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह जगाया। साथ ही स्थानीय संस्कृति को सम्मान देते हुए अनोखे स्वागत द्वार बनवाए। चंबा में उनकी ही पहल पर बना %गद्दी शॉल गेट% न सिर्फ स्थानीय गौरव का प्रतीक बना, बल्कि भाजपा का संदेश सीधे जनता के दिल तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम सिद्ध हुआ।

हिमाचल से नरेन्द्र मोदी का जुड़ाव केवल संगठन और राजनीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ की प्रकृति और लोगों से उनका गहरा आत्मीय संबंध भी समय-समय पर सामने आया है। नरेन्द्र मोदी अकसर हिमाचल प्रदेश में बिजली महादेव के दर्शन करने को जाते थे, जो वहाँ के स्थानीय देवता हैं। मार्ग में वह ग्रामीणों से सहजता से बातचीत करते और उनके अनुभवों व परिस्थितियों को समझने में रुचि दिखाते थे। मंदिर पहुँचने के बाद मोदी न केवल दर्शन करते, बल्कि आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद भी लिया करते थे।

उन्होंने हिमाचल भाजपा संगठन को मजबूती और नई ऊर्जा देने में अहम भूमिका निभाई। कार्यकर्ताओं को राजनीति में अधिक अनुशासित, संगठित और गंभीर बनाने का श्रेय भी उन्हें जाता है। पुराने कार्यकर्ता याद करते हैं कि प्रभारी के रूप में उन्होंने सबसे पहले प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक, जो पहले आधे दिन की औपचारिक प्रक्रिया हुआ करती थी, उसे दो दिन की आवासीय पद्धति में बदल दिया। यही कदम संगठन को सशक्त करने की मजबूत नींव बना। उन्होंने हिमाचल के भाजपा संगठन को मजबूत बनाने और उसमें नई ऊर्जा का संचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कार्यकर्ताओं को राजनीति में अधिक व्यवस्थित और गंभीर दृष्टिकोण अपनाने के लिए तैयार किया। एक वरिष्ठ कार्यकर्ता स्मरण करते हैं कि प्रभारी के रूप में आते ही उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक, जो पहले केवल आधे दिन की औपचारिकता होती थी, उसे दो दिन का आवासीय कार्यक्रम बनाकर संगठन को मजबूत करने की ठोस नींव रखी।

उन्होंने हिमाचल संगठन में कार्यकर्ताओं से सहयोग लेकर कार्य करने की परंपरा की शुरुआत की, जिसका जीवंत उदाहरण शिमला का कार्यालय %दीपकमल% है। इसका निर्माण और उद्घाटन उनके प्रभार काल में हुआ, जिसमें उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी माता जी उनको खर्च करने के लिये जो पैसे देती थी, प्रदेश कार्यालय निर्माण के लिये उन्होंने वो पैसे पार्टी को दे दिये जिसके कारण अन्य कार्यकर्ता भी योगदान देने के लिये प्रेरित हुये। उन्होंने न केवल कार्यालय के निर्माण में मार्गदर्शन और सहयोग दिया, बल्कि हिमाचल के कार्यकर्ताओं को इसे कंप्यूटर के उपयोग के साथ आधुनिक स्वरूप देने के लिए भी प्रेरित और प्रशिक्षित किया। जब 1998 में हिमाचल विधानसभा समय से पहले भंग हुई, तब मोदी की राजनीतिक सूझबूझ ने सबको चकित कर दिया। उन्होंने भाजपा और हिमाचल विकास कांग्रेस (एचवीसी) के बीच गठबंधन कराया, निर्दलीय विधायक का समर्थन सुनिश्चित किया और यहाँ तक कि कांग्रेस नेता ठाकुर गुलाब सिंह को स्पीकर पद के चुनाव में उतरने के लिए तैयार कर लिया। इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस की संख्या घटी और प्रेम कुमार धूमल के नेतृत्व में भाजपा-एचवीसी सरकार का गठन संभव हो सका। यह उनके अद्वितीय रणनीतिक कौशल का प्रमाण था।

हिमाचल से उनका संबंध केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहा। यहाँ से मिली सीख को उन्होंने आगे भी लागू किया। सोलन की मशरूम खेती को उन्होंने बाद में गुजरात में प्रोत्साहन दिया। विश्वविद्यालयों में रक्षा और सामरिक अध्ययन शुरू करने का सुझाव दिया, ताकि हिमाचल की सैनिक परंपरा को शैक्षिक आधार मिले। नरेन्द्र मोदी ने पैराग्लाइडिंग करना भी हिमाचल प्रदेश से ही सीखा। राजनीति से परे, मोदी सदैव हिमाचल को %देवभूमि% मानते रहे। वे पहाड़ी मंदिरों में पेड़ों के नीचे बैठकर लंबे समय तक ध्यान साधना करते थे। प्रकृति और ईश्वर के प्रति उनकी गहरी आस्था उनके जीवन और कार्यशैली दोनों में झलकती थी। वे हिमाचली भोजन के विशेष शौक़ीन हैं - मंडी की सेपू बड़ी, चंबा का मधरा और कांगड़ा की धाम उनकी पसंदीदा व्यंजनों में गिने जाते हैं। स्थानीय संस्कृति के प्रति यह आत्मीयता उन्हें हिमाचलवासियों के और करीब लाती है।

उनकी स्मरण शक्ति भी इस जुड़ाव को और विशेष बनाती है-वर्षों पुराने कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को वे आज भी नाम लेकर पहचानते हैं। 2017 में शिमला के एक कार्यक्रम में उन्होंने मंच से कई पुराने साथियों को नाम लेकर संबोधित किया और कार्यक्रम के बाद इंडियन कॉफी हाउस पहुँचकर वहाँ की कॉफी का आनंद लिया, जिसका जिक्र उन्होंने अपने संबोधन में भी किया था। 2019 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान सोलन में उन्होंने मंच से पुराने दिनों को याद करते हुए मनोहर जी के चनों का भी उल्लेख किया। ऐसे प्रसंग यह दर्शाते हैं कि हिमाचल से नरेन्द्र मोदी का रिश्ता केवल कर्तव्य तक सीमित नहीं, बल्कि उनकी स्मृतियों, रुचियों और जीवन के अनुभवों का हिस्सा है- और इस रिश्ते के और भी पहलू समय-समय पर सामने आते रहते हैं।

आज प्रधानमंत्री के रूप में वे हिमाचल को विशेष प्राथमिकता देते हैं-चाहे वह रोहतांग टनल का निर्माण हो या पर्यटन एवं आधारभूत ढाँचे का सुदृढ़ीकरण। हिमाचल ने नरेन्द्र मोदी को अपनेपन, विश्वास और सीख दी, और बदले में मोदी ने हिमाचल को नई ऊर्जा, विकास और गौरव की पहचान दी। यही रिश्ता इस अनोखे अध्याय को पूर्णता भी देता है और भविष्य के लिए संभावनाओं का द्वार भी खोलता है।

यह निजी विचार है।

विचारों को मूर्त रूप प्रदान करना : मोदी का अंदाज

हसमुख अधिया

नरेन्द्र मोदी की यात्रा के मूल में एक विशेष आदतः अनवरत अवलोकन निहित है। वह प्रत्येक मुलाकात को विचारों के स्रोत के रूप में देखते हैं, चाहे वह सामान्य बातचीत हो या विदेश यात्रा। लेकिन इन्हें नवीनता या अकादमिक विचार मानने वाले अनेक लोगों के विपरीत, मोदी इनमें से प्रत्येक विचार को संभावित समस्या के मूल कारण के आधार के तौर पर परखते हैं और फिर उसे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुकूल समाधान में ढालते हैं। जिज्ञासा, विश्लेषण और प्रभावी क्रियान्वयन के इसी मिश्रण ने उन्हें जमीनी स्तर के आयोजक से एक वैश्विक राजनेता के रूप में स्थापित किया है।

वास्तव में, मोदी के लिए सीखना कभी उम्र का मोहताज नहीं रहा। बचपन से ही, उनमें सहज जिज्ञासा थी और वे विविध कहानियों और अनुभवों को आत्मसात करते और तलाशते थे। जीवन भर उनका यही विश्वास रहा है कि जिज्ञासा हर स्तर पर को सीखने को बढ़ावा देती है। यहाँ तक कि उनकी जिम्मेदारियाँ जब क्षेत्रीय नेतृत्व से राष्ट्रीय पद तक बढ़ गई, इसके बावजूद, ऐसी नियमित मुलाकाते उनके मन में विचारों को जन्म देती रहीं और छोटी-छोटी बातें सीख में बदल गईं, जो वर्षों बाद, ऐन कार्रवाई करने का समय आने पर ही फिर से उजागर हुईं।

किशोरावस्था में, ज्ञान की इसी ललक ने उनकी यात्रा का आगाज़ किया। पहले-पहल आध्यात्मिक साधक के रूप में और बाद में एक समर्पित संघ प्रचारक के रूप में उन्होंने समूचे भारत की यात्रा की और ऐसे अनुभव बटोरे, जिन्होंने दुनिया को देखने-समझने की उनकी दृष्टि को आकार दिया। हर बातचीत उनके लिए कुछ नया सीखने का अवसर थी।

लेकिन जो बात उन्हें दूसरों से जुदा करती है, वह यह है कि यह सूझबूझ केवल सैद्धांतिक नहीं रही; अवसर पाते ही, उन्होंने इसे क्रियान्वित किया। हालाँकि, समस्या-समाधान की यह कला अक्सर अप्रत्याशित तरीकों से सामने आती रही। उदाहरण के लिए, काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के दौरान, उन्होंने देखा कि कर्मचारी संगमरमर के ठंडे फर्श पर नंगे पाँव काम कर रहे थे और उन्होंने तुरंत उन कर्मचारियों के लिए जूट की चप्पलों का प्रबंध कर दिया, यह एक आसान उपाय था, जो सर्दी और आने वाली गर्मी, दोनों के लिए कारगर रहा। एक अन्य घटना में, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जापान की अपनी यात्रा के बाद, उन्होंने स्पर्शनीय मार्गचिन्ह (उभरी हुई सतह) की अवधारणा शुरु की। दृष्टिबाधित लोगों के लाभ के लिए उन्होंने इसे अहमदाबाद में लागू करने पर ज़ोर दिया। ये संकेत उनकी एक अनवरत आदत को जाहिर करते हैंः अनदेखा कर दी गई बारीकियों को दैनिक जीवन को आसान बनाने वाले व्यावहारिक सुधारों में बदलना।

उनके कुछ विचार बीते दशकों की याद दिलाते हैं। 1993 में लॉस एंजिल्स की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने फाइनेंशियल हाई-राइजिज के समूहों का अध्ययन किया; वर्षों बाद, उन्हीं विचारों ने गुजरात में गिफ्ट सिटी को भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को केंद्रीकृत करने के केंद्र के रूप में प्रेरित किया। इसी जिज्ञासा ने अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट को आकार दिया, जहाँ उन्होंने अधिकारियों से दुनिया भर की सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करवाया, लेकिन यह भी सुनिश्चित किया कि अंतिम डिज़ाइन स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित रहे। उनके अनुसार, ग्लोबल मॉडल तभी मायने रखते हैं, जब उन्हें पहले स्थानीय समुदायों की सेवा के लिए अनुकूलित किया जा सके। इस पद्धति में, कोई भी अवलोकन कभी भी सराहना किए योग्य अलग-थलग विचार नहीं होता, बल्कि यह एक रिसोर्स बैंक की तरह होता है, जो परिस्थितियों के अनुकूल होने पर लौटकर आता है, और संग्रहीत विचारों को विशाल परियोजनाओं में परिवर्तित कर देता है।

2002 में, कच्छ में आए विनाशकारी भूकंप के बाद मोदी ने आपदा से निपटने में इस पद्धति को अपनाया। उन्होंने नियमित नौकरशाही मॉडलों को नकारते हुए अपनी टीम को जापान के कोबे भूकंप प्रबंधन का अध्ययन करने और उसके योजनाकारों से संपर्क करने का निर्देश दिया। लेकिन उनका विचार स्पष्ट थाः मॉडलों को पूरी तरह से आयातित नहीं किया जाएगा। इसके बजाय, इन जानकारियों को गुजरात के लिए तत्काल आवश्यकता वाले समाधानों जैसे भूकंपरोधी आवास, सुरक्षित निर्माण पद्धतियाँ और सामुदायिक भागीदारी- में ढाला गया।

यह निजी विचार है।

राष्ट्रपति ने 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के पुरस्कार समारोह में भाग लिया

एजेंसी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने आज (24 सितंबर, 2025) नई दिल्ली में ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के पुरस्कार समारोह में भाग लिया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर अपने संबोधन में सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि उनका काम अन्य कलाकारों को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में कला को लंबे समय से एक आध्यात्मिक साधना माना जाता रहा है। कला न केवल सौंदर्यबोध का माध्यम है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाने और एक अधिक संवेदनशील समाज के निर्माण का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कलाकार अपने विचारों, दृष्टि और कल्पना के माध्यम से एक नए भारत की छवि प्रस्तुत कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि कलाकार कला सृजन के लिए अपना समय, ऊर्जा और संसाधन लगाते हैं। उनकी कलाकृतियों का उचित मूल्य कलाकारों और कला को पेशे के रूप में अपनाने के इच्छुक लोगों को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि ललित कला अकादमी कलाकारों की कलाकृतियों की बिक्री को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे कलाकारों को वित्तीय सहायता मिलेगी और हमारी रचनात्मक अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कला प्रेमियों से आग्रह किया कि वे न केवल कलाकृतियों की सराहना करें, बल्कि उन्हें अपने साथ घर भी ले जाएं। उन्होंने कहा कि हम सभी को एक आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति के रूप में भारत की पहचान को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

केसिंगा सरकारी स्वास्थ्य केंन्द्र में रक्तदान शिविर

केसिंगा स्थानीय सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे की स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी एवं केसिंगा शहर की कई समाज सेवियों ने इस रक्तदान शिविर में अपना सहभागी बनकर के पुण्य का लाभ कमाए हैं। आज की इस रक्तदान शिविर में केसिंगा रेल यात्री संघ के अध्यक्ष एवं युवा नेता बंन्टी अग्रवाल को सम्मानित अतिथि के रूप में सम्मान किया गया। इस नेक काम में स्वास्थ्य केंद्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। जिसमे की डॉक्टर श्रद्धा अग्रवाल, डॉ आशीष संतपति, डॉ प्रयाग मांझी का पूर्ण सहयोग रहा। देखा जाए तो स्वास्थ्य केंद्र में कई डॉक्टरों की पदवी खाली पड़ी है। किंन्तु आज तक उसकी भरपाई सरकार के पास नहीं है। मरीज को विशाखापट्टनम या रायपुर जाना पड़ता है। सरकार से मांग की जाती है कि यथाशीघ्र केसिंगा स्वास्थ्य केंद्र को शु व्यवस्था की जाए।

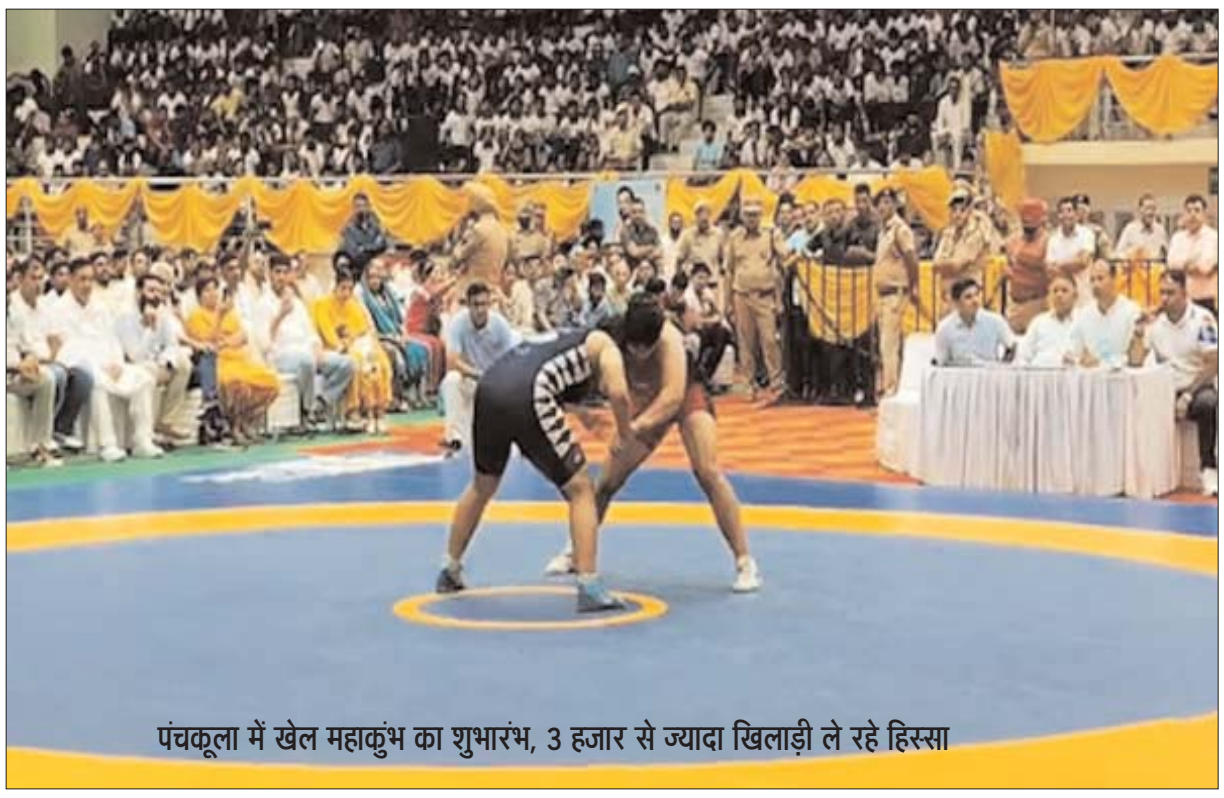

पंचकूला में खेल महाकुंभ का शुभारंभ, 3 हजार से ज्यादा खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

भूमध्य सागर में तैनाती के तहत आईएनएस त्रिकंद साइप्रस के लिमासोल पहुंचा

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जशपुर में मैराथन दौड़ का आयोजन

विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनि भगत ने मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जशपुर,। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज जशपुर में नशा मुक्त भारत अभियान को बढ़ावा देने हेतु एक प्रेरणादायक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, नागरिकों और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैराथन दौड़ जशपुर जयस्तंभ चौक से शुरू होकर रणजीता स्टेडियम में समापन किया गया। इस आयोजन में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गंगाराम भगत, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल सोनी, एसडीएम श्री विश्वास राव मस्के, डिप्टी कलेक्टर श्री समीर बड़ा, एवं समाज कल्याण अधिकारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। क्रीड़ा परिसर के 500 से अधिक बच्चों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने मैराथन में भाग लिया। विशेष रूप से समर्थ स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने भी भाग लेकर आम नागरिकों से नशा से दूर रहने की भावपूर्ण अपील की। कार्यक्रम का समापन रणजीता स्टेडियम में हुआ, जहां विधायक श्रीमती रायमुनि भगत ने बच्चों को नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया और नागरिकों से आग्रह किया कि वे समाज को स्वस्थ और सशक्त बनाने में सहयोग करें।

टिकाऊ पशुपालन के लिए आयुर्वेद-समर्थित पशु चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता है

पीआईबी

मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने पशुपालकों के लिए एथनो वेटरनरी मेडिसिन (ईवीएम) पर एक वर्चुअल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। 23 सितंबर 2025 को कॉमन सर्विस सेंटर्स (सीएससी) नेटवर्क के माध्यम से यह कार्यक्रम, 'जन-जन के लिए आयुर्वेद, धरती के लिए आयुर्वेद' विषय के साथ संपन्न 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। डीएएचडी के सचिव श्री नरेश पाल गंगवार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में 23 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के 2,000 से अधिक सीएससी केंद्रों के पशुपालक एक साथ जुटे और एक लाख से अधिक किसानों ने इसमें भाग लिया।

श्री नरेश पाल गंगवार ने इस अवसर पर अपने संबोधन में टिकाऊ पशुधन स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद को आधुनिक पशु चिकित्सा पद्धतियों के साथ एकीकृत करने के महत्व पर बल दिया। एंटीबायोटिक प्रतिरोध की बढ़ती

चुनौती पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने लागत प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल विकल्प के रूप में एथनो वेटरनरी मेडिसिन (ईवीएम) की भूमिका को रेखांकित किया। श्री गंगवार ने पशु चिकित्सा सेवाओं तक किसानों की पहुंच को समझने और पशु रोगों के इलाज के लिए ईवीएम को अपनाने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किसानों के साथ बातचीत की। डीएएचडी की अपर सचिव सुश्री वर्षा जोशी ने अपने संबोधन में 'बोवाइन मैस्टाइटिस' अर्थात गोजातीय स्तनदाह के इलाज में ईवीएम के उपयोग पर बल किया। उन्होंने सिंथेटिक एंटीबायोटिक दवाओं पर निर्भरता कम करके और प्राकृतिक, पारंपरिक उपचारों को बढ़ावा देकर रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) का मुकाबला करने में इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला। इसके आर्थिक लाभों पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि पारंपरिक हर्बल उपचारों को अपनाने से अक्सर एंटीबायोटिक दवाओं के अति प्रयोग का जोखिम कम हो जाता है। दसवें आयुर्वेद दिवस समारोह के अंतर्गत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग, औषधीय पौधों और जैव विविधता के संरक्षण का आह्वान किया गया है और आयुर्वेद-आधारित पशु चिकित्सा पद्धतियों पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। यह ईवीएम के सतत उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और पशुपालकों को रोग प्रबंधन के लिए किफायती और प्रभावी समाधान प्रदान करने के डीएएचडी के व्यापक प्रयासों का एक हिस्सा है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने लखपति दीदियों के हुनर को सराहा

लखपति दीदियों के स्टॉल का किया अवलोकन, आजीविका से जुड़े कार्यों की सराहना

रायपुर,

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने बुधवार को कबीरधाम प्रवास के दौरान ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहर भोरमदेव मंदिर प्रांगण में जिले की लखपति दीदियों से मुलाकात की। राज्यपाल ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्व-सहायता समूहों के स्टॉल का अवलोकन किया और महिलाओं द्वारा किए जा रहे आजीविका आधारित कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने महिलाओं की सफलता की कहानियों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके नवाचारों तथा जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों की सराहना की।

राज्यपाल श्री डेका ने ढोलबज्जा की सुखिया बैगा से मुलाकात कर उनके समूह मां लक्ष्मी स्व-सहायता समूह द्वारा बाँस से निर्मित टोकरी, सपा एवं सजावटी सामग्रियों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि समूह की मासिक आमदनी 12 से 15 हजार रुपये तक हो रही है। इसी तरह ग्राम सिल्हाटी की अन्नपूर्णा स्व-सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत में राज्यपाल ने उनके बेकरी व्यवसाय, कोदो-कुटकी से पौष्टिक उत्पाद एवं

महुआ लड्डू तैयार करने की प्रक्रिया को जाना। महिलाओं ने बताया कि शासन से 3 लाख रुपये का ऋण एवं अनुदान प्राप्त हुआ है, जिससे समूह की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने एकता समूह द्वारा जैविक खेती और ब्लैक राइस उत्पादन की पहल को अभिनव बताते हुए विशेष रूप से सराहा। उन्होंने कहा कि परंपरागत धान की विलुप्त होती प्रजातियों का संरक्षण भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम है। समूह की महिलाओं ने जानकारी दी कि बीज उत्पादन एवं विपणन से सीजन में 2 से 3 लाख रुपये तक की आमदनी हो जाती है।

इसी क्रम में राज्यपाल ने अमीन माता स्व-सहायता समूह की महिलाओं से भेंट की, जो कपड़े से बैग, पर्स और थैले बनाकर बाजार में अच्छी आमदनी कमा रही हैं। उन्होंने महिलाओं से कहा कि इस तरह के उद्यम से न केवल आर्थिक सशक्तिकरण होगा बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलेगा।

राज्यपाल श्री डेका ने इस दौरान वन विभाग की ओर से तरेगांव एवं सिंघारी समितियों के शहद संग्राहकों को सुरक्षा किट भी वितरित किए। उन्होंने समूहों द्वारा औषधीय उत्पाद, शहद और अन्य सामग्रियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और कहा कि इन गतिविधियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

राज्यपाल श्री डेका ने लखपति दीदियों को टिप्स देते हुए कहा कि उत्पादों की गुणवत्ता और पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देना चाहिये। ऑनलाइन मार्केटिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर इसे बढ़ा सकते है। पारंपरिक उत्पादों को ब्रांडिंग कर राज्य व देश स्तर पर पहचान दिलाएं। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने सभी लखपति दीदियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा, वनमंडलाधिकारी श्री निखिल अग्रवाल एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अजय त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने भोरमदेव मंदिर में की विशेष पूजा-अर्चना, प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना

रायपुर, संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज कबीरधाम जिले के ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं जनआस्था के प्रमुख केंद्र बाबा भोरमदेव मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना की। प्राचीन स्थापत्य एवं अद्भुत कलात्मक सौंदर्य के लिए विख्यात भोरमदेव मंदिर में राज्यपाल ने रुद्राभिषेक एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवान भोरमदेव की आराधना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली, समृद्धि और उत्तरोत्तर प्रगति की मंगल कामना की। राज्यपाल श्री डेका ने इस अवसर पर भोरमदेव मंदिर परिसर की गरिमामयी आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि यह मंदिर न केवल जिले और प्रदेश की आस्था का केंद्र है, बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से भी इसकी विशेष पहचान है।

भोरमदेव मंदिर आगमन पर राज्यपाल का आत्मीय स्वागत किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने मंदिर परिसर में राज्यपाल का अभिनंदन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने मंदिर प्रांगण में ''एक पेड़ मां के नाम'' पौधा लगाया

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कबीरधाम जिले के प्रवास के दौरान भोरमदेव मंदिर प्रांगण में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अंतर्गत रूद्राक्ष का पौधा लगाया।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

नवरात्रि देवी दुर्गा की आराधना का पर्व : राजकुमार साहू

सभापति ने सेमरा के दुर्गा पंडाल पहुँच लिये माँ का आशीर्वाद

जांजगीर-चाम्पा। नवागढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सेमरा में आदर्श नवयुवक दुर्गा उत्सव सेवा समिति द्वारा भव्य पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित किया गया हैं। शारदीय

नवरात्रि के दूसरे दिवस जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू माँ भगवती दुर्गा माता का दर्शन करने पहुंचे। श्री साहू ने विधिवत माँ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद ले क्षेत्र के खुशहाली की कामना किये। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों और नवयुवकों से मुलाकात कर सुख-दुख भी साझा किए। सभापति ने उपस्थित लोगों को कहा कि नवरात्रि देवी दुर्गा की आराधना का पर्व है, जिन्हें ब्रह्मांड की सर्वोच्च शक्ति माना जाता है। इन नौ दिनों में उनके 9 अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है, जिनमें शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री शामिल हैं।इस दौरान समिति के सदस्यों ने बताया कि यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। नवरात्रि में पंडाल बनाकर विधि-विधान से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाती है। समिति द्वारा ज्वारा बोया जाता है और 9 दिनों तक ग्रामवासी सुख-समृद्धि की कामना के लिए ज्योति कलश प्रज्वलित करते हैं। अष्टमी को हवन और नवमी के दिन प्रतिमा विसर्जन की परंपरा निभाई जाती है। नवरात्र के दौरान मांदर और झांझ की थाप पर गूंजते जसगीत लोगों को विशेष आकर्षित करते हैं। आसपास के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दरबार में जसगीत सुनने पहुंचते हैं। इस दौरान पुजारी पंडित द्वारिका चौबे जी ,दिलीप कश्यप, अजय साहू, धनंजय कर्ष, दिल हरण कश्यप, उजागर साहू, पिंटू केवट, यशवंत कश्यप, अशोक साहू, सुरेश साहू सहित अन्य समिति के सदस्य मौजूद रहे।

नवरात्रि की चतुर्थी तिथि को आज जिला प्रवास पर रहेंगे राजेश्री महन्त

जांजगीर चांपा / शारदीय नवरात्रि के चतुर्थी तिथि तदनुसार दिनांक 25 सितंबर 2025 को छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष

राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज जिला जांजगीर चांपा के अनेक स्थानों पर विराजित माता दुर्गा भवानी के दर्शन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार वे 25 सितंबर को सुबह 10:00 बजे खरौद 10:30 बजे ग्राम सलखन 11:30 बजे ग्राम महंत दोपहर 12:15 बजे ग्राम खोखरा 1:15 बजे नवागढ़ 2:15 बजे बिर्री 3:00 केरा में माता दुर्गा भवानी के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। शाम 4:00 बजे ग्राम तुस्मा में रामचरण साहू (गोविंदा) के यहां आयोजित श्रीमद् देवी भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ में सम्मिलित होंगे। रात्रि 8:00 बजे उनका आगमन श्री दूधाधारी मठ रायपुर होगा।

जांजगीर चांपा पुलिस की मानवीय पहल – पीड़ित परिवार की बेटियों की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाई

जांजगीर-चांपा।

जांजगीर चांपा / थाना बिर्रा क्षेत्रांतर्गत ग्राम करही गांव में हुए तीन जघन्य हत्या कांड के पीड़ित परिवारों की बेटियों की शिक्षा की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय ने ली।

मृतक महेन्द्र बघेल की नन्ही बेटी मायरा बघेल का अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में एडमिशन कर पूरा वार्षिक शुल्क व ट्रांसपोर्ट शुल्क पुलिस विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। मृतक मनोज कश्यप की बेटी सोनिया कश्यप को स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित कर महाविद्यालयीन शिक्षा हेतु प्रयास जारी है।

पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस टीम द्वारा पीड़ित परिजनों से सीधे मिलकर संवेदना व्यक्त करते हुए सुरक्षा भाईचारा और शिक्षा को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया है। ग्रामवासियों एवं परिजनों ने पुलिस विभाग की इस पहल को मानवीयता और सामुदायिक पुलिसिंग का सकारात्मक उदाहरण बताया।

थाना बिर्रा क्षेत्र के ग्राम करही, तहसील हसौद जिला जांजगीर चांपा में माह सितम्बर 2025 में हुई तीन जघन्य हत्या की घटना के बाद मृतक परिवार गहरे शोक और आर्थिक कठिनाई से गुजर रहे थे। विपरीत परिस्थितियों में बच्चों की शिक्षा बाधित हो रही थी। इस पीड़ा को समझते हुए श्रीमान् पुलिस अधीक्षक, जिला जांजगीर-चांपा विजय कुमार पाण्डेय ने अपने मातहत एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार एवं थाना प्रभारी बिर्रा जय कुमार साहू के साथ घर जाकर पीड़ित परिवारों से भेंट की और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान मृतक उपसरपंच महेन्द्र बघेल की नन्ही बेटी कु मायरा बघेल, जो ग्राम पेण्ड्री (जिला सक्ती) स्थित एम.एस. कश्यप बाल संस्कार अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में अध्ययनरत है, परिवार में विपत्ति एवं आर्थिक स्थिति के कारण अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पा रही थी। पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मायरा की पूरे शैक्षणिक सत्र (2025-26) की फीस व ट्रांसपोर्ट शुल्क स्वयं वहन करने का संकल्प लिया।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक* के निर्देशानुसानुसार थाना प्रभारी बिर्रा निरीक्षक जयकुमार साहू की टीम ने विद्यालय जाकर संपूर्ण शुल्क का भुगतान किया। साथ ही छात्रा कु मायरा को किताबें, कॉपी, स्कूल बैग और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। इसी प्रकार मृतक मनोज कश्यप* की बड़ी पुत्री सोनिया कश्यप, जो कक्षा 12वीं उत्तीर्ण कर चुकी हैं, उन्हें उच्च शिक्षा जारी रखने हेतु प्रेरित किया गया। उनके स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं चूंकि शिक्षा सत्र प्रारंभ हो चुका है फिर भी प्रयास जारी है !

समाज में सकारात्मक संदेश

इस पहल से स्पष्ट होता है कि पुलिस केवल कानून और व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि वह समाज के जरूरतमंद वर्गों के साथ मानवीय दृष्टिकोण से खड़ी है। ग्राम करही के शोकाकुल परिवारों ने पुलिस अधीक्षक सहित संपूर्ण पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया और इसे ÷सामुदायिक पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण÷ बताया।

आदतन बदमाश रजत दीवान उर्फगोलू दीवान के विरुद्ध पुलिस ने की सख्त कार्रवाई

संवाददाता

जांजगीर चांपा / आदतन बदमाश रजत उर्फ गोलू दीवान के विरुद्ध पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। मामले का विवरण इस प्रकार है कि थाना बम्हनीडीह क्षेत्र के आदतन बदमाश रजत दीवान उर्फ गोलू दीवान बम्हनीडीह को श्रीमान न्यायालय जिला दण्डाधिकारी जांजगीर चांपा के आदेश दिनांक 30 मई 25 को जिला बदर की कार्यवाही की जा चुकी है । उसे सरहदी जिला रायगढ, सक्ती, कोरबा बलौदा बाजार से प्रवेश करने से वर्जित किया गया था लेकिन बदमाश जो लुक छिपकर आकर अपने घर वालो के साथ मारपीट कर डराया धमकाया है । दिनांक 23 सितंबर 2025 को प्रार्थिया सुषमा दीवान थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि इसका पति रजत दीवान उर्फ गोलू दीवान थाना बम्हनीडीह रात्रि मे करीबन 10 बजे घर आया और उसे तथा उसके सास ससुर को परिवारिक बात को लेकर गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने लगा । बीच बचाव का प्रयास की तो उनके सास को भी मारने लगा , दोनो अपना बीच बचाव का भागने का प्रयास किये तो बदमाश गोलू दिवान धारदार लोहे का कत्ता लेकर मारने के लिए दौडा रहा था । दोनो रुम के अंदर जा कर दरवाजा बंद कर दिये तभी बचे नही तो उसका पति बदमाश दोनो को कत्ता से मारकर खत्म कर देता जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 99/25 धारा 296,351 (2),115 (2) बी.एन.एस. 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। थाना बम्हनीडीह पुलिस द्वारा तत्काल आरोपी रजत दीवान उर्फ गोलू दीवान निवासी बम्हनीडीह को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे उपनिरीक्षक केपी सिंह, सउनि जयनंदन मारर्बल, सउनि निलमणी कुसुम, प्र आर0 सुनिल सिंह, शैलेन्द्र राठौर, सचेन्द्र साहु, जरायम बिन्छवार, का विशेष योगदान रहा ।

सुश्री योगीताबाली खापर्डे होंगे नए सीएसपी

जांजगीर चांपा / सुश्री योगिताबाली खापर्डे जांजगीर के नए सीएसपी होंगे । इससे पहले वह बलौदा बाजार जिले के थाना कसडोल, रायपुर कोतवाली, लालबाग जैसे बड़े बड़े थाना प्रभारी रह चुके हैं हाल ही में वे निरीक्षक से डीएसपी बने है, जो ट्रांसफर पर जांजगीर चांपा आई है । उसे पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस ने सीएसपी का चार्ज दिया है जिसमें थाना जांजगीर, चौकी नैला, सायबर सेल, पुलिस कंट्रोल रूम नोडल एवं डीएसपी श्रीमती कविता ठाकुर को बालक विरुद्ध अपराध अनुसंधान इकाई, महिला सेल, परिवार परामर्श व अजाक का नोडल , एसडीओपी प्रदीप कुमार सोरी अकलतरा मुख्यालय को उसके वर्तमान नोडल थाना अकलतरा, मुलमुला, बलौदा, चौकी पंतोरा के साथ साथ थाना पामगढ़ नोडल का चार्ज दिया गया है।

कलिंगा विश्वविद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता के साथ विश्व ओजोन दिवस 2025 मनाया गया

संवाददाता

विश्व ओजोन दिवस 2025 मनाने के लिए, ग्रीन क्लब और प्राणी विज्ञान विभाग, कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर ने छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड (सीईसीबी) के सहयोग से ओजोन परत की सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 24 सितंबर 2025 को एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया।

नया रायपुर के छह सरकारी और निजी स्कूलों के कुल 150 छात्रों के साथ-साथ कलिंगा विश्वविद्यालय के यूजी/पीजी छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। भाग लेने वाले स्कूल (केन्द्रीय विद्यालय- सेक्टर-30,

क्रिस्टल हाउस स्कूल, सरकारी स्कूल-पलौद, सरकारी स्कूल- राखी, सरकारी स्कूल- तांदुल, सरकारी स्कूल-कुहेरा)। विद्यार्थियों ने ड्राइंग और पेंटिंग में अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया तथा ओजोन क्षरण की अवधारणा, इसके कारणों और संभावित प्रभावों से संबंधित चित्र बनाए। उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति में पर्यावरण के प्रति चिंता के साथ-साथ ओजोन परत की सुरक्षा के समाधान भी प्रतिबिंबित थे।

कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जहां सीईसीबी के जनसंपर्क अधिकारी श्री अमर प्रकाश सावंत ने विजेताओं को सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया तथा टिकाऊ जीवन के महत्व पर जोर दिया।

छात्र वर्ग में प्रथम पुरस्कार क्रिस्टल हाउस स्कूल ने जीता, जबकि दूसरा और तीसरा पुरस्कार क्रमशः केन्द्रीय विद्यालय (नया रायपुर) और शासकीय हाई स्कूल, राखी को मिला। इसके अतिरिक्त, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए पांच सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कलिंगा विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. मनोज सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया, जिन्होंने सीईसीबी के सहयोग को स्वीकार किया और छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की। इस समारोह ने न केवल छात्रों की रचनात्मक क्षमताओं को उजागर किया, बल्कि एक स्थायी भविष्य के लिए ओजोन परत की सुरक्षा में समाज की सामूहिक जिम्मेदारी को भी मजबूत किया।

नाबालिग बालिका के साथ अनाचार के आरोपी को अकलतरा पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा /

नाबालिक लड़की से अनाचार के आरोपी को अकलतरा पुलिस ने पकड़कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले का विवरण इस प्रकार है कि पीडिता की जान पहचान सोशल मीडिया स्टाग्राम के माध्यम से आरोपी हिमांशु रात्रे निवासी खपरीडीह के साथ हुई थी,

जान पहचान के बाद दोनो आपस मे बातचीत करते थे । जान पहचान होने का फ ायदा उठाकर आरोपी के द्वारा पीडिता को अपने बहकावे मे लेकर उनके साथ अनाचार किया था और वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लेकमेल करते हुए भी अनाचार किया । उक्त सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 478/2025 धारा 64(2)m,296, 115(2), 351 (2) BNS, 4,6 पाक्सो एक्ट का अपराध पंजीवध्द कर विवेचना में लिया गया है । घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में आरोपी हिमांशु रात्रे निवासी खपरीडीह चौकी नैला को पकड़ा जिसको हिरासत मे लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक भास्कर शर्मा, म.प्र.आर रामकुमारी मार्को प्र.आर रेखराज ध्रुव,आरक्षक विजय राठौर, दीपक कौशिक का सराहनीय योगदान रहा।

जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

ओबीसी वर्ग की योजनाओं में अधिक सहभागिता सुनिश्चित करना आयोग का मुख्य लक्ष्य : श्री आर.एस. विश्वकर्मा

जांजगीर-चांपा /

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त आईएएस (सेवानिवृत्त) श्री आर.एस. विश्वकर्मा ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान आयोग के सदस्य श्री नीलांबर नायक, श्री बलदाऊ राम साहू, श्री हरिशंकर यादव, श्री यशवंत सिंह वर्मा, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय, वनमंडलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल कुमार रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने आयोग के गठन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आयोग का उद्देश्य अन्य पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करना है। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा विभिन्न योजनाओं में ओबीसी वर्ग की सहभागिता बढ़ाना, अब तक योजनाओं से वंचित जातियों की पहचान करना तथा उनके हित में ठोस

कदम उठाना प्राथमिकता है। उन्होने अन्य पिछड़ा वर्ग के समाजिक एवं आर्थिक सर्वे की पंचायतवार विस्तारपूर्वक जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों आदिवासी विकास, समाज कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, पशुधन, मछली पालन, श्रम, शिक्षा, ग्रामोद्योग, रेशम तथा सांख्यिकी द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की गई। इस दौरान अध्यक्ष ने ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शिक्षा, खेल और अन्य गतिविधियों से जोड़ने, स्कूलों में सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के सदस्यों ने जाति प्रमाण पत्र जारी करने में आ रही कठिनाइयों, क्रीमीलेयर और नॉन क्रीमीलेयर की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसे दूर करने के लिए प्रशासनिक पहल करने पर बल दिया। साथ ही विद्यार्थियों हेतु छात्रावास भवन की मांग को भी प्राथमिकता देने की बात कही। बैठक में जिले के शहरी व ग्रामीण इलाकों में हुए ओबीसी सर्वे की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा क्रांटीफाएबल डाटा तैयार किया जा रहा है और शासन की योजनाओं का लाभ ओबीसी वर्ग तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजनांतर्गत 25 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

जांजगीर चांपा / छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिभावान निम्न आय वर्ग के विद्यार्थी जो शिक्षण सत्र 2025-26 में राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यावसायिक संस्थाओं जैसे - आईआईटी, एम्स, आईआईएम, एनएलयू, एमबीबीएस, एनआईटी, आईआईटी में चयन उपरांत प्रवेश प्राप्त करने के लिए तात्कालिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना संचालित है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि योजनान्तर्गत पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन 25 अक्टूबर 2025 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। अभ्यर्थी पंजीकृत डाक से अथवा कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास पुराना कलेक्टोरेट परिसर जांजगीर में जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप, नियम तथा शर्तें सहायक आयुक्त आदिवासी विकास पुराना कलेक्टोरेट परिसर जांजगीर से अथवा जिला जांजगीर-चाम्पा की वेबसाइट https\Ñ//janjgir-champa.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित तिथि समाप्ति पश्चात आवेदन स्वीकार नही किये जायेंगे। योजना से संबंधित अधिक जानकारी हेतु कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास पुराना कलेक्टोरेट परिसर जांजगीर से संपर्क किया जा सकता है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर भारत का कदम, सूरज की शक्ति से बनेगा विश्व मार्गदर्शक

छत पर सोलर, घर में उजाला बिल हुआ जीरो, भविष्य हुआ सुनहरा

कोरबा आज जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याणकारी नीतियों के माध्यम से एक स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना इसका बेमिसाल उदाहरण है। यह योजना न केवल बिजली आपूर्ति की समस्या का समाधान करती है, बल्कि देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक ऐतिहासिक पहल साबित हो रही है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का हमेशा से यह विज़न रहा है कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो और इसमें ऊर्जा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता सबसे अहम भूमिका निभाए। भारत जैसे विशाल देश में, जहां हर वर्ग का नागरिक बिजली पर निर्भर है, वहां सौर ऊर्जा को अपनाकर न केवल घरेलू स्तर पर राहत दी जा सकती है, बल्कि औद्योगिक और ग्रामीण विकास को भी नई गति प्रदान की जा सकती है। इसी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना, जिसके अंतर्गत नागरिकों को प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

योजना का उद्देश्य केवल बिजली बिल कम करना भर नहीं है, बल्कि हर नागरिक को ऊर्जा उत्पादक बनाना है। पहले जहां लोग केवल उपभोक्ता थे, वहीं अब वे अपने घर की छत पर लगे सोलर पैनलों से बिजली उत्पन्न कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इससे उनकी आर्थिक बचत होती है और अतिरिक्त बिजली उत्पादन से आय का मार्ग भी खुलता है। यह बदलाव गांव-गांव और शहर-शहर में एक नई क्रांति का रूप ले रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पांच संकल्प में आत्मनिर्भर भारत को प्रमुख लक्ष्य बताया है। सूर्यघर योजना इस संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार कर रही है। यह पहल न केवल नागरिकों को राहत पहुंचा रही है, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी एक मजबूत कदम है।इसके साथ ही, यह योजना सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स को भी पूरा करने में सहायक है। पर्यावरण संरक्षण, अक्षय ऊर्जा का प्रसार, ग्रामीण विकास, और आर्थिक सशक्तिकरण ये सभी लक्ष्य एक साथ पूरे होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां बिजली की उपलब्धता अक्सर चुनौती का कारण बन जाती है, वहां अब लोग अपने घर की छतों से ही आत्मनिर्भर हो रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में भी यह योजना लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही है।जब हर घर सूरज की रोशनी से बिजली उत्पन्न करेगा, तब भारत केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिए भी एक आदर्श बनेगा। सूरज से रोशनी, जीवन में समृद्धि यह न केवल आज की जरूरत है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ, सुरक्षित और सशक्त भविष्य देने वाली पहल है।

खास खबर

सेजेस गोपालपुर में विद्यार्थियों के द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर क्लीन सीटी लिखकर दिया गया स्वच्छता का संदेश

कोरबा छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के आदेशानुसार व जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार सेजेस गोपालपुर की प्राचार्य डॉ श्रीमती सीमा भारद्वाज के मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत शालाओं में स्वच्छता के महत्व विद्यार्थियों एवं समुदाय के सदस्यों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से विद्यालय में अध्ययनरत अरपा सदन, इंद्रावती सदन, शिवनाथ सदन, एवं महानदी सदन के विद्यार्थियों के द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर क्लीन सीटी लिखकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इसमें विद्यालय के व्याख्याता श्री विनोद कुमार साहू, श्रीमती पुरैन बंजारे, श्रीमती भूमिका राव, श्रीमती श्यामा प्रधान, श्रीमती नमिता दुबे,श्री सुरेश कुमार के द्वारा अपना अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

सेवा पखवाड़ा दिवस के अंतर्गत सभी जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों में पेंषन शिविर किये जायेंगे आयोजित

कोरबा । सेवा पखवाड़ा दिवस के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहें हैं। इसी कड़ी में 24 सितंबर को जिले के सभी जनपद पंचायतों के द्वारा ग्राम पंचायतों हेतु बनाये गये कलस्टर में पेंषन षिविर आयोजित किये जायेंगे। इसी प्रकार 25 सितंबर सभी नगरीय निकायों में पेंषन षिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें हितग्राहियों का सत्यापन, नवीन पेंषन स्वीकृति फार्म भरवाने, यूडीआईडी कार्य हेतु पंजीयन इत्यादि कार्य किये जायेंगे।

ई-मार्केटिंग के माध्यम से बाजार विकास सहायता पर कार्यषाला 24 को

कोरबा छत्तीसगढ़ में रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस आरएएमपीयोजना के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, कोरबा द्वारा ''ई-मार्केटप्लेट एवं डिजिटल मार्केटिंग द्वाराएमएसएमइसके लिए बाजार विकास'' विषय परएक दिवसीय कार्यषाला का आयोजन24 सितंबर को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष कोरबा में किया जा रहा है।

इस कार्यषाला का उद्धेष्य एमएसएमइस महिला उद्यमियों, एसएचजी सदस्यों एवं पारंपरिक कारीगरों को ई-कॉमर्स प्लेटफार्म के माध्यम से अपने उत्पादों की बाजार पहुंच बढ़ाने, विपणन सहायता प्राप्त करने, नेटवर्किंग के अवसर समझने, उत्पादों की दृष्यता में वृध्दि, तथा लॉजिस्टिक्स समर्थन के बारे में जानकारी देना है।

यह कार्यषाला विषेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम,महिला उद्यमी एवं स्वयं सहायता समूह,हस्तषिल्प, हथकरघा, खाद्य प्रसंस्करण, वनोपज आधारित उद्यम,ऐसे कारीगर एवं उत्पादक जो ऑनलाईन बिक्री के इच्छुक हैं,के लिए उपयोगी रहेगी।कोरबा जिले के सभी इच्छुक उद्यमियों एवं लाभार्थियों से इस निःषुल्क कार्यषाला में भाग लेनेआग्रह किया गया है।

शासन की योजनाओं में ओबीसी की भागीदारी बढ़ाना आयोग का उद्देश्य : अध्यक्ष

0 छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ने जिले में हुई ओबीसी सर्वे की समीक्षा की

कोरबा ।

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष केबिनेट मंत्री दर्जा श्री आर.एस.विश्वकर्मा आई.ए.एस.(से.नि.) ने सदस्यगण श्री नीलांबर नायक, श्री बलदाउ राम साहू, श्री हरिशंकर यादव, श्री यशवंत सिंह वर्मा, श्री कृष्णा गुप्ता एवं सचिव श्री अमित श्रीवास्तव की उपस्थिति में विभागीय बैठक लेकर जिले में षहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में अन्य पिछड़ा वर्ग के हुए सर्वे की समीक्षा की। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री विष्वकर्मा ने आयोग की पृष्ठभूमि के संबंध में बताया कि आयोग के बनने के पष्चात ओबीसी वर्ग के कल्याण की दिषा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा षहरी और ग्रामीण क्षेत्र में ओबीसी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण व्यवस्था, आर्थिक सामाजिक सुधार कार्य, षासन की योजनाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग की भागीदारी तथा अभी तक की भागीदारी में योजनाओं का लाभ उठा पाने में वंचित जातियों का पता लगाना भी षामिल है। अध्यक्ष श्री विष्वकर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा ओबीसी वर्ग के हित के लिए अलग से मंत्री, विभाग बनाया गया है। इसके साथ ही सरकार की योजनाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए बजट का प्रावधान करने और उनका कल्याण के दिषा में कदम उठाना भी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का उद्देष्य प्रदेश में पिछड़ा वर्ग समुदाय के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उनके आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनैतिक भागीदारी फोकस करना है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री विष्वकर्मा द्वारा विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों की भागीदारी के संबंध में जानकारी ली। बैठक में पीपीटी के माध्यम से आदिवासी विकास विभाग ,जिला योजना एवं सांख्यिकी, समाज कल्याण विभाग, मछली पालन विभाग, ग्रामोद्योग रेषम विभाग, पषुधन विकास विभाग पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, श्रम विभाग, षिक्षा विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के हितग्राहियों के कल्याण के दिषा में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। आयोग के अध्यक्ष श्री विष्वकर्मा ने ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को षिक्षा सहित खेल से जोड़कर अन्य गतिविधियों में आगे बढ़ाने, स्कूलों में आवष्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हेतु फील्ड पर भ्रमण को महत्वपूर्ण बताया। आयोग के सदस्यों ने स्कूली विद्यार्थियों जाति प्रमाण पत्र और ओबीसी वर्ग के जाति प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में क्रीमिलेयर, नॉनक्रीमिलेयर की व्याख्या करते हुए जानकारी दी और जाति प्रमाण पत्र जारी करने में आ रही दिक्कतों को दूर करने हेतु पहल करने के निर्देष दिए। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास भवन की आई मांग पर पहल करने की बात की।

उद्योग मंत्री ने सर्वमंगला मंदिर में की पूजा अर्चना,जिले और प्रदेशवासियों के खुशहाली और समृद्धि की कामना की

कोरबा संवाददाता।

नगर विधायक, वाणिज्य, उद्योग, वाणिज्यक आबकारी, श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन सोमवार को शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन के अवसर पर मां सर्वमंगला मंदिर पहुंचकर मां सर्वमंगला की पूजा अर्चना कर जिले वासियों और प्रदेशवासियों के खुशहाली और समृद्धि की कामना की। साथ ही सभी श्रद्धालु को नवरात्रि की बधाई एवं शुभकामनाए दी। अग्रसेन जयंती शोभायात्रा में भी हुए शामिल, दी शुभकामनाए इसी तरह श्री अग्रसेन जयंती के अवसर पर श्री अग्रवाल सभा कोरबा द्वारा आयोजित भव्य शोभायात्रा में भी मंत्री श्री देवांगन शामिल हुए। जहाँ भाजपा जिला अध्यक्ष श्री गोपाल मोदी और महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत के साथ श्री अग्रसेन जी महराज की पूजा अर्चना कर सभी को इस पावन अवसर की बधाई एवं शुभकामनाए दी।

सेवा पखवाड़ा दिवस अंतर्गत दिव्यांग छात्र-छात्राओं की खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

कोरबा जिला कोरबा में सेवा पखवाड़ा दिवस अंतर्गत 21 सितंबर कोसरस्वती षिषु मंदिर स्कूल सीएसईबी पूर्व मेंदिव्यांग छात्र छात्राओं की खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम मेंमुख्य अतिथिके रूप में सीईओ जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग, एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद एवं एम.आई.सी सदस्य नगर पालिक निगम कोरबा श्रीमती धनेष्वरी गर्ग उपस्थित थीं।इस अवसर पर सीईओ श्री नाग द्वारा कहा गया कि सेवा पखवाड़ा दिवस में आज दिव्यांग छात्र छात्राओं कार्यक्रम में यह बच्चे दिव्यांग नहीं है जो अपने मन में मान ले कि मैं कुछ नहीं कर सकता वही दिव्यांग है और सभी बच्चों को यह कह कर प्रोत्साहित किया गया।कार्यक्रम में बच्चों को खेलकूद (कुर्सी दौड़, मटकी फोड़, 50 मीटर दौड़, पेंटिंग, गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम) इत्यादि कराया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली दिव्यांग छात्र छात्राओं, शिक्षक को प्रोत्साहित करने टिफिन बॉक्स वितरण किया गया और सभी को भोजन कराया गया। तत्पश्चात उप संचालक द्वारा सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम की समापन किया गया।जिसने उप संचालक समाज कल्याण, जिला शिक्षा विभाग, खेल विभाग, उमंग स्कूल, दिव्यज्योति, अंकुर स्कूल उपस्थित रहे।

इंटक बालको द्वारा रामलीला एवं दशहरा उत्सव का आयोजन

कोरबा । कोरबा जिले में वेदांता समूह की संचालित कंपनी बालको में भारत अल्युमिनियम मजदूर संघ (इंटक, बालको) द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सार्वजनिक रामलीला एवं दशहरा उत्सव का आयोजन किया गया है। नवरात्रि के प्रथम दिवस 22 सितंबर को उत्सव का शुभारंभ सीईओ मेटल, बालको आर.के. सिंह के करकमलों से हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रशासन, सीसी एवं सीएसआर प्रमुख धनंजय मिश्रा, मानव संसाधन उपप्रमुख सुधीर कुमार और आईआर प्रमुख विजय चंद्रा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत आरती के उपरांत हुई। इस अवसर पर इंटक महासचिव जयप्रकाश ने अतिथियों का शाल व पौधा भेंटकर स्वागत किया। अतिथियों ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए आयोजन की सराहना की और इंटक संगठन की प्रशंसा करते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस आयोजन का लाभ उठाने की अपील करी। आज के मंचन में नारद मोह, रावण अत्याचार और मां पृथ्वी की पुकार का प्रभावी मंचन किया गया। बालको नगर व आसपास के क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्सव का आनंद लिया।

निगम के सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों का किया गया नि :शुल्क स्वास्थ परीक्षण

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सियान सदन में आयोजित शिविर का किया निरीक्षण,

शत प्रतिशत सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ परीक्षण कराए जाने अधिकारियों को दिए निर्देश

कोरबा संवाददाता।

स्वच्छता ही सेवा- 2025 अभियान के तहत घंटाघर स्थित सियान सदन में नगर पालिक निगम कोरबा के सफाईमित्रों, सफाई कामगारों व स्वच्छता दीदियों का सघन स्वास्थ परीक्षण कराया गया। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने शिविर में पहुंचकर शिविर का निरीक्षण किया एवं जांच हेतु पहुंचे सफाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों से उनके स्वास्थ पर चर्चा की एवं शिविर का लाभ उठाने को कहा। उन्होने अधिकारियों से कहा कि वे शत प्रतिशत सफाई कामगारों, स्वच्छता दीदियों का हेल्थ चेकअप कराएं ताकि कोई भी कर्मी इसके लाभ से वंचित न रहे। इस मौके पर वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी भी उपस्थित थे।

यहॉं उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की महती योजना '' स्वच्छ भारत मिशन - शहरी 2.0 '' के अंतर्गत शासन द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के तहत महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विगत 17 सितम्बर से आगामी 02 अक्टूबर तक '' स्वच्छता ही सेवा -2025 '' अभियान का संचालन निगम क्षेत्र में किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत पृथक-पृथक थीम पर आधारित संचालित की जा रही विविध गतिविधियों व कार्यक्रमों की अगली कड़ी में आज से निगम के सफाईमित्रों, सफाई कामगारों व स्वच्छता दीदियों के स्वास्थ परीक्षण हेतु 03 दिवसीय स्वास्थ परीक्षण शिविर का आयोजन प्रारंभ किया गया। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने शिविर में पहुंचकर शिविर का निरीक्षण किया, वहॉं की व्यवस्थाओं को देखा, जांच कराने पहुंचे सफाई कामगारों एवं स्वच्छता दीदियों से उनकी स्वास्थ संबंधी जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शत प्रतिशत सफाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों का हेल्थ चेकअप कराने एवं आवश्यकतानुसार उन्हें आवश्यक दवाईयॉं उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें ताकि कोई भी कर्मी शिविर के लाभ से वंचित न रहें। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि शिविर के प्रथम दिन आज घंटाघर स्थित सियान सदन में निगम के कोसाबाड़ी व रविशंकर नगर जोनांतर्गत कार्यरत सफाईमित्रों, कामगारों व स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ परीक्षण कराया गया, वहीं सियान सदन में ही आयोजित किए जाने वाले शिविर के दूसरे दिन 23 सितम्बर को कोरबा व टी.पी.नगर जोन में कार्यरत एवं तीसरे दिन 24 सितम्बर को दर्री, बालको व सर्वमंगला नगर जोनांतर्गत कार्यरत सफाईमित्रों, कामगारों एवं स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ परीक्षण शिविर में किया जाएगा। शिविर में बाहरी स्वास्थ परीक्षण के साथ-साथ 41 प्रकार की खून जांच की सुविधा उपलब्ध है, शिविर में बुखार, मलेरिया, डेंगू, बी.पी., शुगर, लिपिड प्रोफाईल, सी.बी.सी., लीवर, किडनी, पेसाब की जांच, प्रोटीन टेस्ट, बिटामिन बी.-12 जांच सहित 41 प्रकार की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

पी.एम.ए.वाई. की दी गई जानकारी - सियान सदन में आयोजित शिविर में भारत सरकार के महत्वपूर्ण अभियान '' अंगीकार -2025 '' का काउंटर भी स्थापित किया गया था, आयुक्त श्री पाण्डेय ने उक्त काउंटर पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, उन्होने शिविर में पहुंचे स्वच्छता कामगारों, स्वच्छता दीदियों आदि से भारत सरकार की महती योजना प्रधानमंत्री आवास योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने को कहा। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के बी.एल.सी. व ए.एच.पी. घटकों की सघन जानकारी निगम के सफाईमित्रों, कामगारों व स्वच्छता दीदियों के साथ-साथ शिविर में आने वाले अन्य लोगों को प्रदान की गई तथा योजना के अंतर्गत आवेदन पत्र प्राप्त करने, आवेदन को भरकर जमा करने आदि की प्रक्रिया के साथ-साथ संबंधित दस्तावेजों व पात्रता आदि के संबंध में भी आवश्यक जानकारियॉं उन्हें मुहैया कराई गई।

स्कूल बस की ठोकर से युवक गंभीर रूप से हुआ घायल

कोरबा । कोरबा-सक्ति मार्ग पर उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम तिलकेजा में आज सुबह लगभग 7 बजे स्कूल बस छात्रों को लेने के लिए जा रही थी। इसी दौरान रेनखोल निवासी उत्तम यादव कहीं निज कार्य काम से जा रहा था कि अचानक बस ने उसे ठोकर मार दी। हादसे में उत्तम यादव बुरी तरह घायल हो गया। जानकारी के अनुसार घटना के समय युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला। दुर्घटना होते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। समाजसेवी किशन साव एवं भीम कंवर ने तत्काल एम्बुलेंस को सूचना दी और घायल को जिला अस्पताल भेजवाया गया। चिकित्सको के अनुसार घायल की हालत गंभीर बनी हुई है और उसे उपचार के लिए विशेष निगरानी में रखा गया है। हादसे के बाद से क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि स्कूली वाहनों की गति पर नियंत्रण और सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

तालाब में डूबने से युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

कोरबा 23 सितंबर (आरएनएस)।

कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत राधा सागर तालाब में कल सुबह एक व्यक्ति की तैरती हुई बॉडी देखी गई। मृतक की पहचान कटघोरा निवासी जुगल अग्रवाल के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि सुबह नहाने के दौरान उसका पैर फिसल गया, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

नारायणपुर मुठभेड़ पर गृहमंत्री अमित शाह ने दी प्रतिक्रिया

रायपुर । छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में सोमवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में नक्सलियों की केंद्रीय समिति के दो बड़े कमांडर कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कादरी सत्यनारायण रेड्डी को ढेर किये जाने के बाद गृह मंत्री अमित शाह अपने सोशल मिडिया में पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

उन्होंने लिखा, आज हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ एक और बड़ी जीत हासिल की है। महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में, हमारे सुरक्षा बलों ने दो केंद्रीय समिति सदस्य नक्सल नेताओं ङ्क कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कादरी सत्यनारायण रेड्डी ङ्क का सफाया कर दिया। हमारे सुरक्षा बल नक्सलियों के शीर्ष नेतृत्व को व्यवस्थित रूप से ध्वस्त कर रहे हैं और लाल आतंक की रीढ़ तोड़ रहे हैं। शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश से नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुरक्षाबलों का मनोबल लगातार बढ़ रहा है और उनकी रणनीति नक्सलियों के लिए घातक साबित हो रही है।

पीएम आवास और अन्य योजनाओं के लाभ सेदुवास बाई के जीवन में जगा

रायपुर। मूलभूत आवश्यकताओं में आवास सबसे महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने इसी सपने को साकार करते हुए ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया है। कवर्धा जिले के जनपद पंचायत पंडरिया के ग्राम पलानसरी की 57 वर्षीय दुवास बाई इसका उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने पक्के मकान के साथ जीवन में नया आत्मविश्वास पाया है।

पति के निधन के उपरांत कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रही दुवास बाई का नाम आवास प्लस-2018 सूची में शामिल किया गया। वर्ष 2024-25 में योजना के तहत किश्तवार राशि सीधे खाते में हस्तांतरित की गई और आवास निर्माण पूर्ण हुआ। साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 90 दिवस का रोजगार भी मिला। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण, उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन व चूल्हा, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना से निःशुल्क बिजली कनेक्शन तथा खाद्य विभाग से राशन कार्ड जैसी सुविधाओं ने इनके जीवन में आमूलचूल परिवर्तन किया। महतारी वंदन योजना से भी उन्हें प्रतिमाह आर्थिक सहयोग प्राप्त हो रहा है। दुवास बाई कहती हैं कि पक्का मकान, बिजली, गैस और सुलभ राशन से उनका जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक बन गया है।

11 आईएफएस अफ़सरों का हुआ तबादला

रायपुर । राज्य सरकार ने वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के 11 आईएफएस अफ़सरों का तबादला आदेश जारी किया है। आदेश मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर से जारी किए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार निम्न अधिकारियों का तबादल हुआ है-1 लक्ष्मण सिंह (2010) उप वन संरक्षक, वनमण्डलाधिकारी, गरियाबंद वनमण्डल, जिला गरियाबंद को उप वन संरक्षक (रोकड़), कार्य प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, अरण्य भवन, नवा रायपुर + अतिरिक्त प्रभार संयुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कैम्पा,

2. दुलेश्वर प्रसाद साहू (2013) उप वन संरक्षक, वनमण्डलाधिकारी, पूर्व भानुप्रतापपुर वनमण्डल, भानुप्रतापपुर को उप वन संरक्षक, छ.ग. राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, नवा रायपुर (प्रतिनियुक्ति पर)।

3. प्रेमलता यादव (2015) उप वन संरक्षक, अरण्य भवन, नवा रायपुर को वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), कोरबा।

4. पुष्पलता टंडन (2016) उप वन संरक्षक, वनमण्डलाधिकारी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ वनमण्डल, सारंगढ़ को वन उप संरक्षक (वन्यजीव), कार्य प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव प्रबंधन एवं जैव विविधता संरक्षण) सह मुख्य वन्यजीव वार्डन, अरण्य भवन, नवा रायपुर।

5.शशिगानंदन के(2017) उप वन संरक्षक,वनमण्डलाधिकारी, नारायणपुर वनमण्डल, नारायणपुर को उप वन संरक्षक (प्रादेशिक) गरियाबंद।

6.बी. एस. सरोटे (2019) उप वन संरक्षक, वनमण्डलाधिकारी, बालोद वनमण्डल, बालोद को उप वन संरक्षक (सर्तकता), कार्य प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, अरण्य भवन, नवा रायपुर।

7.डॉ. वेंकटेशा एमजी (2022) उप वन संरक्षक, उप वनमण्डलाधिकारी, महासमुंद वनमण्डल, महासमुंद को उप वन संरक्षक (प्रादेशिक)नारायणपुर।

8. चन्द्र कुमार अग्रवाल (2022) उप वन संरक्षक, उप वनमण्डलाधिकारी, कांकेर वनमण्डल, कांकेर को जिला वन अधिकारी, अनुसंधान एवं विस्तार प्रभाग, बिलासपुर।

9. ऋ षभ जैन (2022) उप वन संरक्षक, उप वनमण्डलाधिकारी, मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ को वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), पूर्व भानुप्रतापपुर।

10. विपुल अग्रवाल (2022) उप वन संरक्षक, उप वनमण्डलाधिकारी, जांजगीर-चांपा वनमण्डल, जांजगीर-चांपा को वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), सारंगढ़-बिलाईगढ़।

11. अभिषेक अग्रवाल (2022) उप वन संरक्षक, उप वनमण्डलाधिकारी, राजनांदगांव वनमण्डल, राजनांदगांव को वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), बालोद।

शराब घोटाले के खुलासों से कांग्रेस का भ्रष्ट राजनीतिक चरित्र खुलकर सामने आ रहा:भाजपा

प्रदेश प्रवक्ता ठोकने ने 960 करोड़ रुपए राजीव भवन पहुँचने और %बिग बॉस ग्रुप' का हवाला देकर सवाल दागा

कांग्रेस बताए %बिग बॉस' कौन? : नलिनीश ठोकने

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा है कि प्रदेश में 32 सौ करोड़ रुपए के शराब घोटाले में हो रहे नित-नए खुलासों से कांग्रेस का सरकारी मशीनरी पर दबाव बनाकर भ्रष्टाचार करने का राजनीतिक चरित्र खुलकर सामने आ रहा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने ईडी के खुलासे हर माह कार्टून में भरकर कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में शराब घोटाले का पैसा छोड़ा जाता था और तीन साल में 960 करोड़ रुपए राजीव भवन पहुँचाए गए और इस घोटाले के लिए बनाए गए %बिग बॉस ग्रुप' का हवाला देकर यह सवाल दागा है कि कांग्रेस प्रदेश की जनता को बताए कि कार्टून में भरकर पहुँचने वाला पैसा किसके पास जा रहा था और इस मण्डली का %बिग बॉस' राहुल गांधी या भूपेश बघेल कौन था? श्री ठोकने ने कहा कि शराब घोटाले के लिए बने इस बिग बॉस ग्रुप में चैतन्य बघेल, पुष्पक, सौम्या चौरसिया और दीपेन चावड़ा सहित अन्य लोग शामिल थे जो शराब घोटाले से जुड़ी चर्चाएं और पैसों के लेन-देन की बातें करते थे। सीएम की डिप्टी सेक्रेटरी रही सौम्या चौरसिया इन चर्चाओं में आईएएस अफसरों के लिए जिस तरह अपशब्दों का इस्तेमाल कर गालियाँ देती थी, उससे साफ हो रहा है कि इस घोटाले में सरकारी अफसरों को दबावपूर्वक इस्तेमाल किया जा रहा था और जो अफसर घोटाले में सहयोग नहीं करते थे, उनको सब मिलकर बदनाम और प्रताड़ित किया जाता था। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि घोटाले के जरिए की गई अवैध कमाई की रकम और बढ़ सकती है। छत्तीसगढ़ में हुआ यह शराब घोटाला पूरी तरह सुनियोजित था। इसमें सरकार, संगठन, अधिकारी और कारोबारी सब शामिल थे। जो भी सिंडिकेट का हिस्सा बना, उसे उसका हिस्सा मिला। इसमें सरकार के उच्च पदों पर बैठे लोगों की भी भूमिका की जांच की जा रही है। ईडी की जांच में सामने आया है कि घोटाले की रकम में से 1000 करोड़ कारोबारी लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू और चैतन्य बघेल के पास गए।

चैतन्य बघेल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

रायपुर, 23 सितबंर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की अग्रिम जमानत याचिका रायपुर जिला न्यायालय में खारिज कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, चैतन्य बघेल ने ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन अदालत ने उनके पक्ष में राहत देने से इंकार कर दिया। चैतन्य बघेल ने अपनी अग्रिम जमानत याचिका जिला न्यायालय में दायर की थी। इससे पहले बिलासपुर उच्च न्यायालय में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो चुकी थी। मामले की प्रारंभिक सुनवाई 19 सितंबर को निर्धारित थी, लेकिन सुनवाई की तारीख को आगे बढ़ाकर 22 सितंबर 2025 को तय किया गया था। अदालत ने सुनवाई के बाद चैतन्य की जमानत याचिका खारिज कर दी।गौरतलब है कि न्यायालय के इस फैसले के बाद अब ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) चैतन्य बघेल को गिरफ्तार करने के लिए आगे बढ़ सकती है। ईओडब्ल्यू ने पहले ही चैतन्य की गिरफ्तारी के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी किया हुआ है। जमानत खारिज होने के बाद प्रोडक्शन वारंट पर अगली सुनवाई के जरिए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला पंचायत सीईओ ने साझा किए प्रशासनिक अनुभव, युवाओं को दिए सफलता के मंत्र

रायपुर । रायपुर जिले में संचालित प्रोजेक्ट अनुभव युवा प्रतिभाओं के लिए नई दिशा और ऊर्जा का स्त्रोत बनता जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को योग भवन, फुंडहर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए एक विशेष कक्षा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भूमिका एवं महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने व्यक्तिगत प्रशासनिक अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को परीक्षा में रणनीति, समय प्रबंधन और प्रभावी अध्ययन तकनीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया।

सूने मकान से लाखों रुपए के जेवर पार

रायपुर । विधायक कालोनी धरमपुरा में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अनिल बघेल 60 वर्ष विधायक कालोनी धरमपुरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए।

जीएसटी में कमी से जनता को सीधी राहत : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

सूरजपुर की दुकानों में ग्राहकों से की सीधी बातचीत

सूरजपुर की दुकानों में ग्राहकों से की सीधी बातचीत, जागरूकता के लिए लगाए गए स्टीकर

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के विभिन्न दुकानों का भ्रमण कर ग्राहकों से सीधे संवाद किया। उन्होंने वस्तु एवं सेवा कर (तस्ज्ञ) में कमी से आमजन को मिलने वाले प्रत्यक्ष लाभ की जानकारी दी और कहा कि यह कदम लोगों की आर्थिक बोझ को कम करने के लिए उठाया गया है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और राज्य सरकार आम जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं पर तस्ज्ञ में भारी कमी की है। तस्ज्ञ में कमी से लोगों की रोज़मर्रा की आवश्यक वस्तुएँ अब और भी किफायती हो गई हैं। यह पहल गरीब, मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। ग्राहकों ने भी मंत्री से बातचीत करते हुए अपनी संतुष्टि जाहिर की। एक ग्राहक ने कहा कि अब बाजार में सामान की कीमतें पहले से कम हैं, जिससे परिवार की ज़रूरतें पूरी करने में सहूलियत हो रही है। वहीं छोटे व्यापारियों ने भी बताया कि इससे ग्राहकों का रुझान बढ़ा है और बिक्री में सकारात्मक असर देखी जा रही है। जागरूकता अभियान के तहत दुकानों में विशेष स्टीकर लगाए गए, ताकि आम लोग तस्ज्ञ में कमी से मिलने वाले फायदों से अवगत हो सकें। मंत्री ने उपस्थित नागरिकों से कहा कि वे भी अपने आस-पास के लोगों को इसके बारे में जानकारी दें, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र से ग्रामीणों को मिल रही बैंकिंग व अन्य सेवाओं का लाभ: मंत्री

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से जिले में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीण अंचलों को बैंकिंग सहित सभी सीएससी सेवाएं पंचायत स्तर पर ही उपलब्ध हो सकें।मंत्री श्रीमती राजवाड़े सूरजपुर जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रही थीं। इस बैठक में जिले के सभी सरपंचों एवं सीएससी द्वारा अधिकृत वीएलई

बैठक में चर्चा की गई कि अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं, बिजली बिल भुगतान, पेंशन व बीमा योजनाएं, आधार व अन्य शासकीय योजनाओं की सेवाएं सीधे पंचायत स्तर पर उपलब्ध होंगी।मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि यह केंद्र ग्रामीणों की समय और संसाधन की बचत के साथ-साथ उन्हें डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ाएंगे।

कांग्रेस को जीएसटी से नहीं सीएसटी से मतलब है - सांसद पांडेय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कांग्रेसियों को जीएसटी रास नहीं आएगी क्योंकि जीएसटी का जुड़ाव सीधे राष्ट्र के विकास से है। कांग्रेस का कभी राष्ट्र के विकास से कोई नाता नहीं रहा है, उनका नाता केवल एक परिवार से ही रहा है। उन्होंने कहा जीएसटी गुड सिंपल टैक्स के रूप में लोगों के बीच पहचाना जा रहा है। कांग्रेस को जीएसटी से कोई मतलब नहीं है उन्हें तो केवल सीएसटी से मतलब है। सीएसटी यानी कांग्रेस सेंटिंग टैक्स है जो पूर्व की कांग्रेस सरकार का भ्रष्टाचार करने का एक लक्ष्य था। भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद पांडेय ने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार को सबसे भ्रष्टतम सरकार में से एक माना जा रहा है। जिस तरह की भ्रष्टचार कांग्रेस सरकार में हुई आज भी वह बात किसी से छिपा नहीं है। शराब घोटाले से लेकर कोयला घोटाला सब में जो देनदारी हुई है यह देनदारी सीएसटी था। जीएसटी यानी कांग्रेस सेटिंग टैक्स जिसे कांग्रेस अपनी सरकार के समय लगाया करता था। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल आज जिस तरह से लूट की बातें कह रहे हैं वह लूट केवल उनकी सरकार में होती थी। उन्हें अपने शासनकाल में हुई लूट को याद करना चाहिए, जिसे आज तक प्रदेश की जनता नहीं भूल पाई है। केंद्रीय जांच एजेंसी इसकी जांच कर रही है कितने लोग जेल के अंदर हैं और कितने लोग और गिरफ्तार होंगे, यह पता नहीं है। हर दिन भ्रष्टाचार को लेकर नई-नई बातें पिछली कांग्रेस सरकार की खुलकर सामने आ रही है। इसके लिए कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ही जिम्मेदार है। भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद पांडेय ने कहा कि जीएसटी से राज्य के विकास के साथ-साथ देश के विकास को एक नई पहचान मिलेगी। इस टैक्स की सर्वत्र स्वीकार्यता है। इसलिए आज कांग्रेस के लोग विचलित हैं। जीएसटी का विरोध करने वाले लोगों का जनता ही विरोध करेगी, क्योंकि यह एक सुलभ टैक्स है जिसके लागू होने से देश और समाज में आर्थिक व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया के भीतर किसी भी अर्थव्यवस्था के अध्ययन का यह एक नया अध्याय होगा, जिसे जीएसटी के माध्यम से लागू किया गया है।

शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति अब मोबाइल एप्प के माध्यम से

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, अनुशासित एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। विभाग ने 'विद्या समीक्षा केन्द्र' के अंतर्गत शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए एक विशेष मोबाइल एप्प विकसित किया है। यह एप्प अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है और इसे प्रत्येक शिक्षक द्वारा डाउनलोड कर पंजीयन करना तथा प्रतिदिन अपनी उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। इस व्यवस्था से शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड वास्तविक समय पर उपलब्ध रहेगा, जिससे विद्यालयीन अनुशासन और शिक्षा की गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय सुधार होगा।

मंत्री स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य विभाग, छत्तीसगढ़ शासन श्री गजेंद्र यादव ने दिनांक 04 सितम्बर 2025 को आयोजित समग्र शिक्षा की समीक्षा बैठक में इस एप्प को तत्काल लागू करने के निर्देश दिए थे। हाल ही में मंत्रीजी गुजरात अध्ययन दौरे पर भी गए, जहाँ उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु अपनाई जा रही तकनीकी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। गुजरात मॉडल से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ में भी आधुनिक तकनीक आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू करने पर बल दिया।

छत्तीसगढ़ का यह एप्प गुजरात की व्यवस्था से भी अधिक उन्नत है, क्योंकि इसमें जियो-फेंसिंग फीचर शामिल किया गया है। इस तकनीक के माध्यम से शिक्षक तभी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं जब वे विद्यालय के निश्चित दायरे में उपस्थित हों। इससे यह सुनिश्चित होगा कि उपस्थिति केवल स्कूल परिसर के भीतर से ही दर्ज हो। गुजरात में प्रयुक्त एप्प में यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण वहाँ कई बार शिक्षकों द्वारा घर से ही उपस्थिति दर्ज करने जैसी गड़बड़ियाँ सामने आती थीं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)